राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 भारत-पाकिस्तान मैच ने तोड़े डिजिटल व्यूअरशिप रिकॉर्ड | सम्पादकीय कार्य-संस्कृति, उत्पादकता और विकास की चुनौती | एआई कंटेंट पर लेबल जरूरी, नए नियम लागू 5

वर्ष 20 | अंक 36 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online ग्वालियर, शनिवार 21 फरवरी 2026 email - hindustanexpressbhopal@gmail.com मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

कांग्रेस ने देश की सीमाएं खुली छोड़ी जिससे असम में घुसपैठ बढ़ी : गृहमंत्री अमित शाह

कछार जिले में जनसभा में बोले गृहमंत्री

आर.एन.एस

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस ने देश की सीमाएं खुली छोड़ दी थीं, जिसकी वजह से असम में घुसपैठ बढ़ी। भाजपा सरकार ने इस समस्या से सख्ती से निपटा है।

शाह ने असम के कछार जिले में जनसभा में कहा कि कांग्रेस के शासन में असम में कोई विकास कार्यक्रम शुरू नहीं हुआ। आज राज्य में हर दिन 14 किलोमीटर सड़क बन रही है, जो देश में सबसे ज्यादा है।

शाह दो दिन के लिए असम दौरे पर हैं। उन्होंने कछार के नाथनपुर गांव से ?6,900 करोड़ रुपए की 'वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम' के दूसरे चरण की शुरुआत की। इसके तहत देशभर के 15 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करेगा।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता सीमावर्ती गांवों का विकास है। वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम उसी दिशा में उठाया गया कदम है। योजना के दूसरे चरण में ?6,900 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। 15 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों के 1,954 गांव इसमें शामिल हैं। वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम के तहत पाकिस्तान और बांग्लादेश से सटे 334 ब्लॉकों का समग्र विकास किया जाएगा।

एआई समिट में यूथ कांग्रेस का टी-शर्ट उतारकर प्रदर्शन, मोदी इज कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए

बीजेपी बोली- राहुल के घर पर प्लानिंग हुई

आर.एन.एस

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित भारत मंडपम में इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को एआई समिट 2026 में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने टी-शर्ट उतारकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगाते हुए कहा- पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड'। प्रदर्शन के कई वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें 15-20 की संख्या में कार्यकर्ताओं की भीड़ हाथ में सफेद रंग की टी-शर्ट लिए हुए हैं। टी-शर्ट पर पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की फोटो लगी है। उसपर लिखा है- क्क्रू इज कॉम्प्रोमाइज्ड। इंडियन यूथ कांग्रेस ने

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर प्रदर्शन का वीडियो शेयर किया और लिखा-्रढ्ढ समिट के चमकदार मंच के पीछे सच दबाया नहीं जा सकता। जब देशहित से ऊपर कॉरपोरेट हित दिखें और विदेश नीति में नरमी साफ नजर आए, तब विरोध कर्तव्य बन जाता है।

वहीं भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने साजिश के तहत इंटरनेशनल समिट में भारत की छवि धूमिल की है। क्चछ्वक्क सांसद संबित पात्रा ने कहा- यह संयोग नहीं, बल्कि एक प्रयोग था। इसकी प्लानिंग राहुल गांधी के आवास पर बनाई गई थी, जहां सोनिया और प्रियंका मौजूद थीं। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया दिल्ली पुलिस का कहना है कि वह प्रदर्शन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रही है। अब तक चार से पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। बाकी की पहचान की जा रही है। एडिशन पुलिस कांस्टेबल देवेश कुमार महला ने बताया कि यह घटना दोपहर करीब 12:30 बजे घटी।

शिक्षा के विस्तार के साथ भारतीय संस्कृति से जुड़ाव आवश्यक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि शिक्षा विस्तार के साथ संस्कृति से जुड़ाव आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नई तकनीक के उपयोग के साथ भारतीय संस्कृति से जुड़े रहने को अवश्य प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार शाम भोपाल के गांधी नगर स्थित सागर पब्लिक स्कूल के रजत जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में उन्होंने सागर पब्लिक स्कूल के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों सहित सेवाभावी पदाधिकारियों को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिये विद्यार्थी प्रशासनिक या पुलिस अधिकारी बनने के साथ श्रेष्ठ शिक्षक, समर्पित जनप्रतिनिधि, कुशल व्यापारी और अच्छे किसान बनने का भाव भी बनाये रखें। विद्यार्थी ऐसे प्रकल्पों से जुड़ें, जिससे वे नौकरी पाने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जीवन में श्रेष्ठ का अनुसरण करने की प्रवृत्ति होना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मैत्री का उदाहरण देते हुए कहा कि हमारी संस्कृति मानवीय मूल्यों को महत्व देती है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आगे बढ़ता राष्ट्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र आगे बढ़ रहा है। आज गूगल हो या अन्य कोई वैश्विक संस्थान, इनमें भारतीय ही कार्यपालन अधिकारी या अन्य प्रमुख भूमिकाओं में कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सागर समूह को स्कूल सहित 6 शिक्षण संस्थानों के बाद 7वें संस्थान के शुभारंभ की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने समूह की शिक्षा क्षेत्र में 25 वर्ष की उपलब्धियों भरी यात्रा पूर्ण होने पर भी बधाई दी।

विज्ञान मॉडल देखे, प्रतिभाओं को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में विद्यालय की प्रतिभाओं और सेवाभावी पदाधिकारियों को सम्मानित किया। इनमें कक्षा 10 वीं में 99.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरी ऑल इंडिया रैंक हासिल करने वाले अंशुमन मौर्य भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यालय के किशोर वैज्ञानिक द्वारा निर्मित विभिन्न विज्ञान मॉडल जैसे प्लांट्स द्वारा जल प्रदूषण की रोकथाम, विंड मिल, लाइव गार्ड मैनेजमेंट देखे। उन्होंने मिट्टी के शिल्प निर्माण करने वाले बच्चों से संवाद कर विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की।

कार्यक्रम को विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने भी संबोधित किया। प्रारंभ में सागर समूह के प्रमुख श्री सुधीर अग्रवाल, श्री सिद्धार्थ और श्री सागर ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित अन्य अतिथियों का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज दतिया आयेंगे, सिंध नदी पर नवनिर्मित सेतु का करेंगे उदघाटन

ग्वालियर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 21 फ़रवरी को दतिया जिले के तहसील मुख्यालय सेवढ़ा में आयोजित कार्यक्रम में 532 करोड़ रूपये के विकास कार्यों की सौगातें देंगे। इसमें मुख्य रूप से सिंध नदी पर नव निर्मित सेतु का लोकार्पण शामिल हैं। साथ ही सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बसई सहित अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण भी होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सनकुआ धाम के समीप स्थित द्वारिकाधीश मंदिर में पूजन-अर्चन भी करेंगे।

कृषि उपज मंडी प्रांगण सेवढ़ा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 299.32 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हुए 53 विकास कार्यों का लोकार्पण और 233.24 करोड़ रुपये की लागत के 21 कार्यों का भूमिपूजन व शिलान्यास करेंगे। साथ ही विभिन्न शासकीय योजनाओं में हितग्राहियों को हितलाभ वितरित करेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. यादव 21 फ़रवरी को वायुमार्ग द्वारा दतिया एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से हैलीकॉप्टर द्वारा सेवड़ा पहुंचकर 47.69 करोड़ रुपये की लागत से सिंध नदी पर नव निर्मित सेतु का लोकार्पण करेंगे। साथ ही विकास कार्यों की अन्य बड़ी-बड़ी सौगातें देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इसके पश्चात सनकुआ धाम के समीप स्थित द्वारिकाधीश मंदिर पहुंचकर पूजन-अर्चन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सेवड़ा स्थित कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित विशाल आमसभा को संबोधित करेंगे। साथ ही विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत हितग्राहियों को हितलाभ वितरित करेंगे।

नरोत्तम मिश्रा पर ईश्वर की कृपा होने से ही नवग्रह शक्ति पीठ का हुआ निर्माण : शंकराचार्य सदानंद सरस्वती

जीवंत हुई विश्व प्रसिद्ध नव ग्रह शक्ति पीठ, वेद मंत्रों के साथ हुई नवग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा

10 दिवसीय महायज्ञ एवं अनुष्ठान का हुआ समापन, श्रद्धालुओं के दर्शनों के लिये खुली नवग्रह शक्ति पीठ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

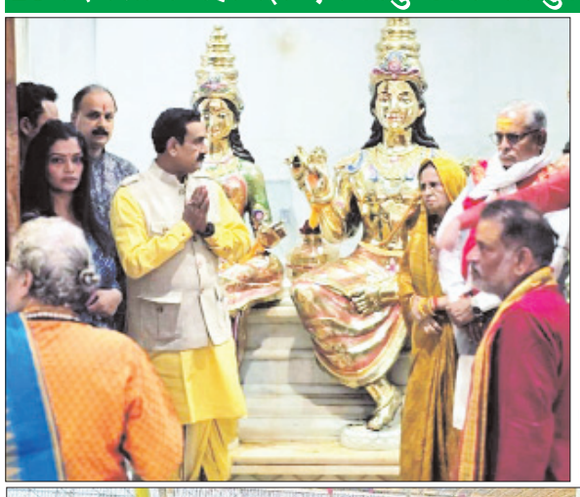

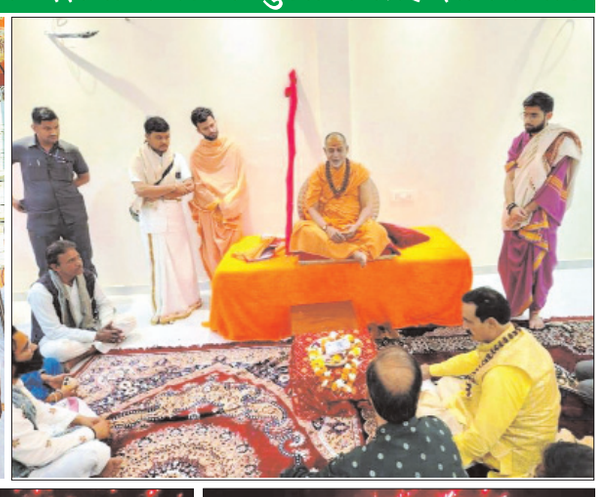

डबरा, ग्वालियर। विश्व प्रसिद्ध नवग्रह शक्तिपीठ पर नौ दिनों से आयोजित किए जा रहे धार्मिक अनुष्ठान का शुक्रवार को नवग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के साथ पूर्णाहुति हुई। इस दौरान वेदमंत्रों से देवताओं का आह्वान कर यज्ञ में आहुतियां दी गई। इसी के साथ नवग्रह शक्ति पीठ श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दी गई।। इस अवसर पर शारदा पीठ के शंकराचार्य जगतगुरू स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज ने श्रद्धालुओं को आशीर्वचन देते हुए कहा कि मनुष्य जीवन में वे क्षण दुर्लभ होते हैं, जब उसके मन मे अच्छा काम करने की इच्छा जाग्रत होती है। देवताओं का मंदिर का निर्माण करना सत्कर्म हैं। डॉ नरोत्तम मिश्रा पर भगवान की असीम कृपा हुई कि वे नवग्रह शक्तिपीठ के निर्माण का अभूतपूर्व कार्य कर पाए।

स्वामी सदानंद सरस्वती ने कहा कि अपने लिए तो हर व्यक्ति रोटी, कपड़ा और मकान की व्यवस्था कर लेता है, लेकिन जो संपूर्ण मानव जाति के कल्याण के लिए कर्म करता है ऐसे पुनीत कार्य भगवान की कृपा से ही संभव है। उन्होंने कहा कि सद्मार्ग पर चलने और ईश्वर परायणता सिद्ध करने के लिए कर्म का सहारा लेना पड़ता है।

शंकराचार्य ने बताए हिंदुओं के कर्तव्य

उन्होंने हिंदुओं के कर्तव्य बताते हुए कहा कि सत्य बोलना, गायत्री जाप, अतिथि सेवा, गौसेवा, कुंआ और सरोवरों का निर्माण,पुराने मंदिरों का जीर्णोद्वार एवं नए मंदिरों का निर्माण, स्कूल एवं अस्पताल बनवाना, सभी प्राणियों के कल्याण की भावना करना, शरणागत की रक्षा करना, जीव हिंसा नहीं करना,यज्ञ कराने वाले ब्राह्मणों को दक्षिणा देकर प्रणाम करना। यानि मनुष्य को जब करना चाहिए, वो सब डॉ नरोत्तम मिश्रा ने किया है।

डबरा को बना दिया धर्मनगरी

प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान देश के शीर्षस्थ संत महंतों एवं देश की विशेष हस्तियों की मौजूदगी से डबरा दस दिन तक महाकुंभ जैसा माहौल रहा। विशाल यज्ञ शाला में प्रतिदिन प्रत्येक ग्रह देवता के लिए जहां एक लाख आहुतियां दी गई वही भगवान शनि के अनन्य भक्त संत दाती जी महाराज का अनुष्ठान भी शक्ति पीठ पर पूरे दस दिन चला। यहां हर दिन कथा के रूप में धर्म की गंगा बहती रही और शाम के वक्त रासलीला जैसे आयोजन श्रद्धालुओं की भक्ति को पुष्ट करते रहे। पहले तीन दिन में अंतर्राष्ट्रीय शिव पुराण कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव कथा, उसके बाद वाणीपुत्र डॉ. कुमार विश्वास की कथा अपने-अपने राम से भक्त भाव विह्वल होते रहे। बागेश्वर पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने अपनी हनुमंत कथा से **शेष पृष्ठ 4 पर..**

डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने सभी का आभार जताया

प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि नवग्रह शक्ति पीठ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अत्यंत सफलतापूर्वक एवं गरिमामय रूप से संपन्न होने पर मैं हृदय से समस्त डबरा वासियों के प्रति अपना कोटि-कोटि आभार व्यक्त करता हूँ। इस भव्य एवं सुव्यवस्थित आयोजन को सफल बनाने में हमारे समर्पित सफाई कर्मियों की अथक मेहनत, पुलिस प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन का उत्कृष्ट सहयोग, तथा उन सभी प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोगियों का अमूल्य योगदान रहा है, जिन्होंने निस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं प्रदान कीं। आप सभी के सहयोग, समर्पण और आशीर्वाद के बिना यह पुण्य कार्य संभव नहीं हो पाता। आप सभी को हृदयपूर्वक धन्यवाद, साधुवाद एवं अभिनंदन ।

देश में शिवाजी जयंती पर हंगामा, कर्नाटक में जुलूस पर पथराव

नइ दिल्ली। देशभर में 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई गई। इस दौरान कुछ राज्यों से हंगामे की खबर भी आई। कर्नाटक के बागलकोट में शिवाजी जयंती पर निकाले जा रहे जुलूस के दौरान पथराव हुआ। इसके बाद तनाव की स्थिति बन गई। यहां भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 के लागू की गई।हैदराबाद में गुरुवार रात मस्जिद के सामने से जुलूस निकालने पर दो समुदाय के बीच विवाद की स्थिति बनी। यहां पहले एक यूट्यूबर से मस्जिद की रिकॉर्डिंग को लेकर विवाद हुआ।

इसी दौरान मस्जिद के सामने से जुलूस निकालने पर दोनों समुदाय आमने-सामने आ गए। पुलिस ने किसी तरह स्थिति संभाली और लोगों को मौके से हटाया।

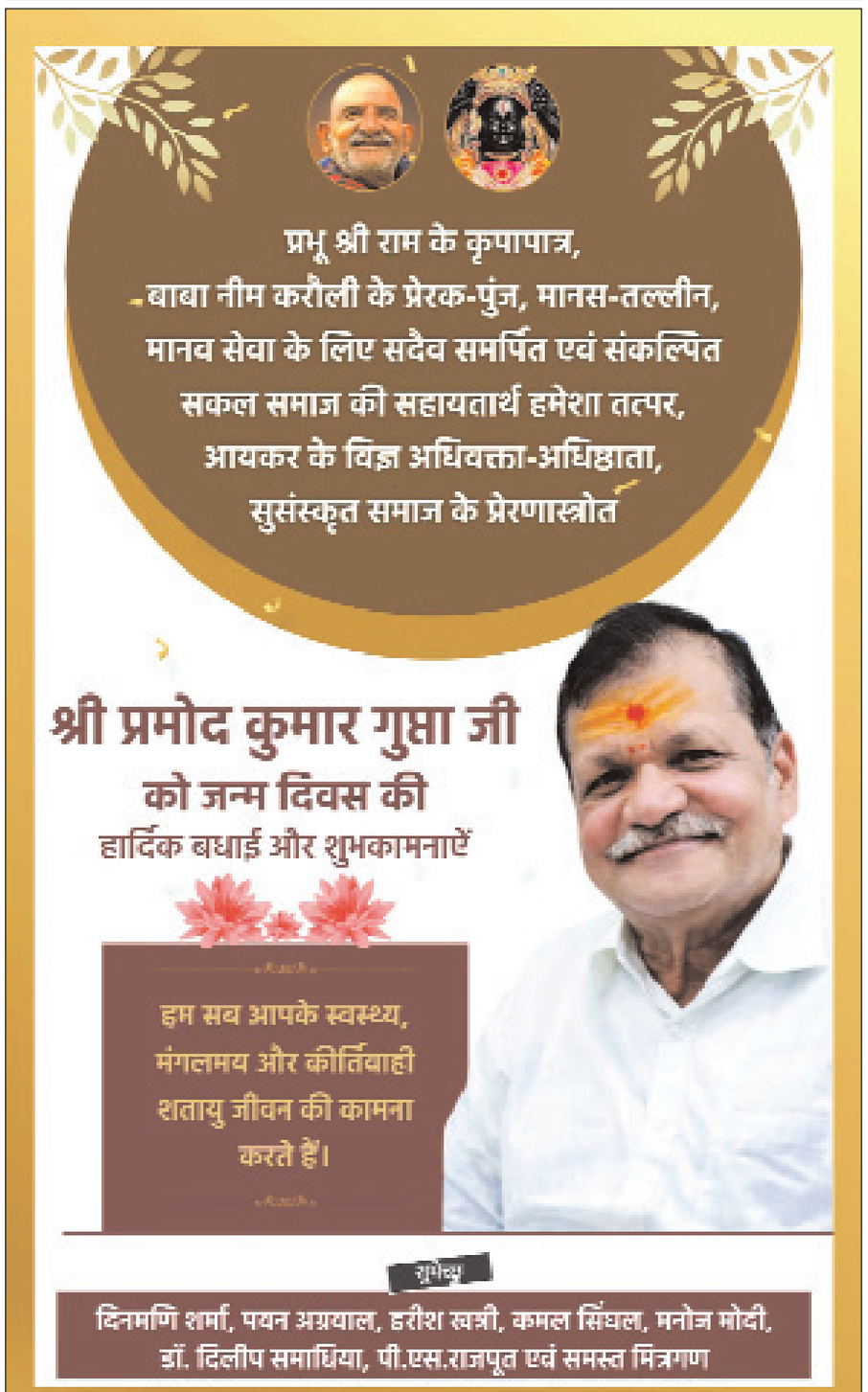

आत्मा की अनंत शक्ति का धोतक है जैन दर्शनः राष्ट्र संत सौरभ मुनि

-अपने कर्मों का क्षय कर आत्मा प्राप्त करती है परम तत्व

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

शिवपुरी। जैन दर्शन में आत्मा अनंत ज्ञान, अनंत दर्शन, अनंत शक्ति और अनंत-आनंद का पर्याय है। लेकिन आत्मा के ये गुण कर्मों से आच्छादित रहते हैं इस कारण आत्मा की शक्ति प्रकट नहीं हो पाती। लेकिन साधक यदि अपनी साधना के द्वारा कर्मों का क्षय कर लेता है तो आत्मा को परमात्मा बनने में देर नहीं लगती और आत्मा की यह शक्ति परम तत्व को प्राप्त कर मोक्ष पद को प्राप्त कर लेती है। उक्त उदगार पोषद भवन में प्रसिद्ध जैन राष्ट्र संत सौरभ मुनि जी ने धर्मोवलम्बियों की सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि जैन धर्म 24 तीर्थंकरों की शिक्षाओं पर आधारित है और हर काल में 24 तीर्थंकर विधमान रहते हैं। धर्मसभा में उनके सुशिष्य विज्ञान मुनि भी उपस्थित थे।

धर्मसभा में संत सौरभ मुनि ने बताया कि जैन धर्म में प्रत्येक आत्मा को परमात्मा बनने का अवसर है। हमारा शरीर पुदगल (जड़) लेकिन आत्मा अजर-अमर है। परन्तु अपने कर्मों से ढकी होने के कारण वह अपने वास्तविक स्वरूप में प्रकट नहीं होती है। आत्मा को कर्मों से मुक्त करने के लिए जैन दर्शन में मोक्ष प्राप्ति हेतु तीन मार्ग बताए गए हैं। सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक आचरण से आत्मा को परमात्मा बनने के लक्ष्य तक ले जाना सुगम हैं। उन्होंने बताया कि आत्मा जब कर्मों के बंधन से मुक्त हो जाती है तो साधक केवली अवस्था को प्राप्त कर केवल्य ज्ञान का धारक होता है। परमात्मा के इस स्वरूप को अरिहंत के रूप में परिभाषित किया जाता है। अरिहंत भगवान का हमारे ऊपर अनंत उपकार होता है और वह हमें मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर करते हैं। अरिहंत परमात्मा जब संसार त्याग देते हैं तो वह सिद्ध के रूप में हमारे लिए पूज्यनीय होते हैं। उन्होंने बताया कि नवकार महामंत्र में सबसे पहले अरिहंत भगवान और फिर सिद्ध भगवान को नमस्कार किया जाता है। उनके अलावा आचार्य भगवान, उपाध्याय भगवान और संतों का भी हम पर उपकार होता है और नवकार महामंत्र में उन्हें भी नमस्कार कर अपने भावों की अभिव्यक्ति की जाती है।

कल पोषद भवन में और परसों आराधना भवन में होंगे प्रवचन

आज की धर्मसभा में श्वेताम्बर मूर्ति पूजक समाज के महामंत्री विजय पारख भी उपस्थित थे जिन्होंने राष्ट्र संत सौरभ मुनि से रविवार 22 फरवरी को श्वेताम्बर पार्श्वनाथ जैन मंदिर के उपाश्रय स्थल आराधना भवन में प्रवचन देने की बिनती की। जिसे संत सौरभ मुनि ने सहर्ष रूप से स्वीकार किया। इस अवसर पर बताया गया है कि महाराजश्री के 21 फरवरी के प्रवचन सुबह 9:30 से 10:30 बजे तक पोषद भवन में और 22 फरवरी के प्रवचन सुबह 9:30 से 10:30 बजे तक आराधना भवन में होंगे। सभी धर्मप्रेमियों से सत्संग का लाभ उठाने की अपील की गई है।

एमिटी विश्वविद्यालय में जीएमए (एआईएमए) के बीच MOU, स्टूडेंट चैप्टर का शुभारंभ हुआ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। एमिटी विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश और ग्वालियर मैनेजमेंट एसोसिएशन के बीच विश्वविद्यालय परिसर में स्टूडेंट चैप्टर की स्थापना के लिए MOU पर हस्ताक्षर किए गए। ग्वालियर मैनेजमेंट एसोसिएशन ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन नई दिल्ली से संबद्ध एक प्रतिष्ठित संस्था है। इस समझौते का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रबंधन के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना और उन्हें उद्योग जगत से जोड़ना है। इस अवसर पर ग्वालियर मैनेजमेंट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट और मध्यप्रदेश चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रेसिडेंट डॉ. प्रवीण अग्रवाल उपस्थित रहे। उनके साथ एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. मनोज पटवर्धन, सेक्रेटरी श्याम अग्रवाल और जॉइंट सेक्रेटरी मोहित वर्मा भी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने इस पहल को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी और महत्वपूर्ण बताया।

एमिटी विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश के कुलपति प्रो. (डॉ.) आर. एस. तोमर ने इस पहल की सराहना की। विश्वविद्यालय के प्रो चांसलर लेफ्टिनेंट जनरल वी. के. शर्मा (एवीएसएम, सेवानिवृत्त) ने भी इस सहयोग पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसे विद्यार्थियों के भविष्य के लिए लाभकारी बताया।

इस अवसर पर हेड ऑफ इंस्टीट्यूशन प्रो. (डॉ.) नविता नाथानी उपस्थित रहीं। इसके साथ ही प्रो. (डॉ.) एम. पी. कौशिक, रजिस्ट्रार डॉ. राजेश जैन, डॉ. कुलदीप द्विवेदी (डीन अकैडमिक्स) और अन्य अधिकारीगण भी मौजूद रहे। सत्र में विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव द्विवेदी और विभागाध्यक्ष डॉ. आस्था जोशी सहित फैकल्टी सदस्य भी उपस्थित रहे।

इस समझौते के अंतर्गत विश्वविद्यालय में स्टूडेंट चैप्टर की स्थापना की गई। इस पहल से विद्यार्थियों को उद्योग से जुड़ने का अवसर मिला। इससे उनके कौशल और ज्ञान में वृद्धि हुई। इस सहयोग ने अकादमिक और औद्योगिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ किया।

बहराइच में विकास की नई इबारतः ईदगाह रोड निर्माण से तेज़ हुआ चंहुमुखी प्रगति का कारवां

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

बहराइच। नगर पालिका परिषद बहराइच में विकास का पहिया अभूतपूर्व गति से घूम रहा है और नगर के हर कोने तक सुविधाओं की रोशनी पहुँचाने का संकल्प अब ज़मीन पर उतरता दिखाई दे रहा है। अध्यक्ष प्रतिनिधि श्याम करण टेकड़ीवाल की सक्रियता, दूरदर्शिता और जनसमर्पित कार्यशैली के चलते नगर में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्यों की झड़ी लग गई है।

इसी क्रम में उनके विशेष प्रयासों से 19 फरवरी 2026 को इदगाह रोड निर्माण की टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई, जो क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी सौगात मानी जा रही है।

सूत्रों के अनुसार यदि प्रशासनिक औपचारिकताएँ तय समय में पूरी हो जाती हैं तो 20 रमज़ान से 25 रमज़ान के बीच सड़क निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा, जिससे वर्षों से बदहाल मार्ग की समस्या इतिहास बन जाएगी। यह परियोजना न केवल आवागमन सुगम बनाएगी बल्कि आसपास के व्यापार, आवासीय क्षेत्रों और धार्मिक स्थलों तक पहुँच भी आसान करेगी।

नगरवासियों का कहना है कि श्री टेकड़ीवाल की कार्यशैली में न केवल गति है बल्कि स्पष्ट जनहित की भावना भी झलकती है। लोग उन्हें ऐसे जनप्रतिनिधि के रूप में देख रहे हैं जो समस्याओं को सुनते ही नहीं बल्कि समाधान तक पहुँचाने की प्रतिबद्धता भी रखते हैं।

उल्लेखनीय है कि नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती सुधा देवी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में नगर प्रशासन विकास की नई ऊँचाइयों को छू रहा है। सड़क, सफाई, जलनिकासी, स्ट्रीट लाइट और सौंदर्यीकरण जैसे कार्यों में आई तेजी से यह साफ संकेत मिल रहा है कि नगर को आधुनिक, सुव्यवस्थित और सुविधायुक्त बनाने की दिशा में ठोस रणनीति पर काम हो रहा है।

जनमानस का मानना है कि अध्यक्ष श्रीमती सुधा देवी और अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री श्याम करण टेकड़ीवाल की जोड़ी नगर विकास की ऐसी मिसाल कायम कर रही है, जिसकी गूंज आने वाले समय में पूरे जनपद में सुनाई देगी। लोगों ने दोनों जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार जताते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि इसी तरह विकास का यह सिलसिला लगातार जारी रहेगा और बहराइच शीघ्र ही आदर्श नगरों की श्रेणी में शामिल होगा।

समाजसेवी नितेंद्र रघुवीर राय फौजी को अखिल भारतीय जायसवाल सर्व. महासभा का राष्ट्रीय वरिष्ठ कार्य. युवाध्यक्ष मनोनीत किया गया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

झाँसी। अखिल भारतीय जायसवाल सर्व. महासभा के राष्ट्रीय युवा कार्यकारिणी के अध्यक्ष राजा चौधरी, द्वारा अपने संरक्षक मंडल श्रीप्रकाश चौधरी (पूर्व विधायक), प्रदीप भाई जायसवाल (पूर्व विधायक), अशोक जायसवाल SMT के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन में एवं राष्ट्रीय महामंत्री शैलेंद्र जायसवाल एड., राष्ट्रीय संयोजक एवं प्रभारी उ.प्र. अटल गुप्ता से सलाह विमर्श एवं राष्ट्रीय कार्य. अध्यक्ष एवं मीडिया सेल प्रभारी विष्णु शिवहरे एड. की प्रबल संस्तुति पर झांसी निवासी, कल्चुरी गौरव, दानवीर एवं समाजसेवी नितेंद्र रघुवीर राय फौजी को राष्ट्रीय वरिष्ठ कार्य. युवाध्यक्ष मनोनीत किया जाता है।

नितेंद्र रघुवीर राय फौजी झांसी के सामाजिक क्षेत्र में, किसी परिचय के मोहताज नहीं है, देश की सेवा * 'भारतीय सेना' से शुरू सफर,* अपना भूमि का व्यवसाय शुरू करने के साथ ही झांसी कलचुरी समाज में भी सेवा-भाव से सक्रिय हो गए। वह प्रतिवर्ष बिना किसी की सहायता से, स्वयं के संसाधनों से प्रत्येक वर्ष*

- 06 दिसंबर 2022 को 6 निर्धन कन्या का विवाह,
- 2023 में 13 निर्धन कन्या का विवाह,
- 2024 में 21 निर्धन कन्याओं विवाह, एवं
- 2025 में 55 निर्धन कन्या का विवाह करके झांसी ही नहीं, पूरे देश में कल्चुरी कलार समाज में, ऐसी मिसाल कायम की। जिसका सानी कोई नहीं।

इसके पूर्व 2016 में झांसी कल्चुरी कलार के कार्य0 अध्यक्ष के दौरान 16 सजातीय कन्याओं के विवाह में मुख्य भूमिका का निर्वहन किया साथ ही... उनके नेतृत्व में भगवान श्री सहस्त्रबाहु अर्जुन जी की जयंती मनाई जाती रही। साथ ही वह कृतसंकल्पित हैं कि झांसी में भगवान श्री सहस्त्रबाहु अर्जुन के नाम से भव्य एवं विराट स्थल होगा और उसमें अपने आराध्य की एक विशाल भव्य मूर्ति का अनावरण भी होगा।

ऐसे दृढ़ संकल्प के प्रतिभावान सजातीय गौरव, दानवीर एवं समाजसेवी श्री नितेंद्र रघुवीर राय जी से अखिल भारतीय जायसवाल सर्व. महासभा अपने आपको गौरवान्वित महसूस करती है एवं आपसे अपेक्षा करती है कि युवा महासभा आपके दिशा निर्देशन में निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर होगी। *श्री नितेंद्र रघुवीर राय जी के मनोनयन पर अखिल भारतीय जायसवाल सर्व0 महासभा परिवार की बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं।

मातृभाषा हमारी आत्मा की आवाज है

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस, 21 फरवरी पर विशेष आलेख

प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मातृभाषा में लिखने पढ़ने सीखने समझने संवाद स्थापित करने का अधिकार है क्योंकि मातृभाषा हमारी आत्मा की आवाज होती है। वह मात्र शब्दों का समूह या जाल नहीं होती वरन हमारी संस्कृति, संस्कार, मूल्य, परंपरा, विरासत और अस्मिता की पहचान होती है। वह हमारी सोच,समझ, भाव, विचारों और भावनाओं की अभिव्यक्ति का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है जो हमें एक दूसरे से जोड़ती है, सामाजिक गठन,व्यक्तित्व विकास,सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उन्नयन में सहायक होती है।

सामान्य अर्थों में बच्चा जन्म लेने के बाद पहली बार जिस ध्वनि स्पर्श या संकेत में मां शब्द कहता है वही उसकी मातृभाषा होती है जो वह मां के झूले पालने में, मां की पवित्र गोद में धीरे-धीरे सीखता है। यही उसके भावनात्मक लगाव, सामाजिक जुड़ाव,जटिल मानसिक परिस्थितियों को समझने, संज्ञानात्मक विकास और रचनात्मकता का आधार बनती है।

21 फरवरी को पूरी दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की पृष्ठभूमि सन 1952 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान वर्तमान में बांग्लादेश में हुए भाषाई आंदोलन से संबंधित है। सन् 1947 में पाकिस्तान के जन्म के बाद उर्दू को राष्ट्रीय भाषा घोषित किया और पूर्वी पाकिस्तान में भी उर्दू को ही राष्ट्रभाषा के रूप में थौपने का प्रयास किया किंतु पूर्वी पाकिस्तान ने अपनी मातृभाषा बांग्ला को आधिकारिक भाषा घोषित करने की मांग की जिसे पाकिस्तान ने ठुकरा दिया फल स्वरुप 21 फरवरी1952 को ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों ने प्रदर्शन किया जिसे पाकिस्तान की पुलिस ने प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करते हुए बर्बरता पूर्वक समाप्त कर दिया जिसमें अनेक छात्र मारे गए। बांग्लादेश में यह दिवस दुखद दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। मातृभाषा के इस भाषाई संघर्ष को मान्यता देने के लिए वैश्विक स्तर पर मातृभाषा दिवस मनाने की मांग कनाडा के बंगाली नागरिक रफीकुल इस्लाम ने की थी जिसे यूनेस्को ने स्वीकार कर किया और 21 फरवरी 2000 को पहला विश्व मातृ भाषा दिवस मनाया गया।

इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता का संरक्षण, बहुभाषिकता के प्रति चेतना, लुप्त प्राय भाषाओं को संरक्षित करना और मातृभाषा में शिक्षा को प्रोत्साहित करना है। वास्तव में यह दिवस अपनी मातृभाषा के प्रति निष्ठा, वचनबद्धता,ममत्व, लगाव और भावनात्मक जुड़ाव के प्रकटिकरण का स्मारक दिवस है।

यूनेस्को का अनुमान है कि दुनिया में बोली जाने वाली 7000 भाषाओं में से 40% भाषाएं विलुप्त होने के कगार पर हैं। डिजिटल क्रांति के इस दौर में सोशल मीडिया में मात्र 100 से भी कम भाषाओं का उपयोग हो रहा है।अन्य भाषाएं इस दौर की चुनौतियों का सामना करने में समर्थ नहीं हो पा रही हैं।यह मानवीय सभ्यता के लिए एक गंभीर संकट है। वैश्वीकरण,शिक्षा और मीडिया में प्रमुख भाषाओं के प्रभुत्व,औपनिवेशिक विरासत, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाओं तथा आर्थिक कारणों से समुदायों के विस्थापन,क्षेत्रीय तथा अल्पसंख्यक भाषाओं पर तथाकथित पिछड़ेपन या अशिक्षित होने के सांस्कृतिक लांक्षन तथा लिखित में भाषाओं की स्वयं की लिपि न होने के के कारण भाषाएं विलुप्त हो रही हैं। इनके साथ ही संपूर्ण बौद्धिक सांस्कृतिक विरासत, हमारी पहचान, प्रकृति, गणित, दर्शन, लोकगीत, लोक कथाऐं, कहावतें मुहावरे, कविताएं, गीत, दादी,नानी की कहानियां,अभिव्यक्ति की अनूठी तकनीक आदि सभी भी विलुप्त हो रही हैं। इसलिए भाषाई विविधता और लुप्त हो रही भाषाओं के संरक्षण, उनके पुनरुद्धार की आवश्यकता, मातृ भाषाओं का सम्मान और मातृभाषा में बोलने के मूल अधिकार की रक्षा करना आज सबसे बड़ी वैश्विक चुनौती है। इसी वास्तविकता को रेखांकित करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ ने सन् 2022 - 2032 को अंतरराष्ट्रीय स्वदेशी भाषा दशक के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। यह दशक इसलिए महत्वपूर्ण है कि हम विलुप्त हो रही भाषाओं के संरक्षण के लिए वैश्विक स्तर पर सकारात्मक पहलों को अंजाम दें क्योंकि भाषाई विविधता हमारी ताकत है विरासत है।

मातृभाषा की महत्ता अनुपम होती है।मातृभाषा के बिना व्यक्ति गूंगा हो जाता है। प्रखर पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी ने कहा था ' मुझे देश की आजादी और भाषा की आजादी इनमें से किसी एक को चुनना हो तो मैं निःसंकोच भाषा की आजादी चुनूंगा क्योंकि देश की आजादी के बावजूद भाषा की गुलामी रह सकती है।अगर भाषा आजाद हुई तो देश गुलाम नहीं रह सकता।' वास्तव में भाषा का रिश्ता महज संवाद तक सीमित नहीं होता यह व्यक्ति की अस्मिता और स्वाभिमान से भी जुड़ी होती है। औपनिवेशिक शासन के घोर विरोधी और स्वभाषा के समर्थक केन्या के महान लेखक थ्योंगो ने कहा था कि 'जब मैं उनकी भाषा में लिखता था तो उन सब का प्रिय लेखक था लेकिन जैसे ही मैंने अपनी मातृभाषा गिकुयू में लिखना प्रारंभ किया तो मुझे गिरफ्तार कर लिया गया तब मेरी समझ में आया कि आजादी तक सिर्फ अपनी मातृभाषा के जरिए ही पहुंचा जा सकता है। ' महात्मा गांधी ने भी 1937 में वर्धा में नई तालीम के प्रस्ताव में बच्चों को अनिवार्य निशुल्क शिक्षा के साथ प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा देने और कौशल उन्नयन पर बल दिया था।

भारत के राष्ट्रपति और मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था कि यदि से मैंने मातृभाषा में विज्ञान और गणित की शिक्षा प्राप्त नहीं की होती तो मैं आज इतना बड़ा वैज्ञानिक नहीं बन सकता था। अगर विज्ञान को आम जनता तक पहुंचाना है तो विज्ञान की शिक्षा मातृभाषा में दी जानी चाहिए। शिक्षा का माध्यम मातृभाषा होने से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है, वे जल्दी सीखते हैं और अपनी संस्कृति से जुड़ते हैं। हमारी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी मातृभाषा स्थानीय या क्षेत्रीय भाषा को प्राथमिक शिक्षा के माध्यम के रूप में सर्वोच्च स्थान दिया गया है।

निसंदेह मातृभाषा हमारी संस्कृति और सामाजिक पहचान से जुड़ी होती है । मातृभाषा से ही हमारी परंपराएं, रीति रिवाज और बौद्धिक विरासत एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित होती है। अतः मातृभाषा के बिना हम अपने भावों,विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने में समर्थ नहीं होते।

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजादी के अमृत काल में भी हम गुलामी के प्रतीक चिन्हों से चिपके हुए हैं। विकसित भारत के स्वप्न की पूर्णता हमारी एकजुट एकता, राष्ट्र के प्रति नागरिक कर्तव्यों का पालन, विरासत पर गर्व और गुलामी की हर सोच से मुक्ति पर निर्भर करती है। गुलामी की जंजीरें टूट गई किंतु अंग्रेजी का प्रभुत्व आज भी कायम है। हम अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के कॉन्वेंट स्कूल में प्रवेश दिलाना सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक मानते हैं। जबकि मातृ भाषा में शिक्षा प्राप्त करना बच्चों की बौद्धिक रचनात्मकता और संज्ञानात्मक विकास के लिए अहम होती है। मातृभाषा का सम्मान और संरक्षण करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। आज हम अपनी भाषाओं से दूर होते जा रहे हैं। यदि हमारी भाषा अस्तित्वहीन हो गई तो हमारी संस्कृति परंपरा और विरासत भी समाप्त हो जाएगी। इसलिए मातृभाषा का सम्मान, संरक्षण और संवर्धन बहुत आवश्यक है। मातृभाषा के बिना हमारा जीवन अर्थहीन है। जब भाषा मजबूत होती है तो देश भी मजबूत होता है और जब भाषा गुलाम होती है तो देश भी गुलाम हो जाता है। इसलिए हमें अपनी मातृ भाषा में अभिव्यक्ति पर गर्व होना चाहिए।

मातृभाषा से प्रेम राष्ट्र से प्रेम होता है। मातृभाषा की उपेक्षा राष्ट्रीय स्वाभिमान की उपेक्षा होती है। हमें अन्य भाषाओं का भी सम्मान करना चाहिए आवश्यकतानुसार उन्हें सीखना भी चाहिए किंतु मातृ भाषा की बलि देकर नही। हमें हर संभव परिस्थितियों में मातृभाषा का उपयोग करना चाहिए क्योंकि यह हमारे सम्मान का प्रतीक है।सोशल मीडिया के सभी पटलों पर मातृभाषा को प्राथमिकता देनी चाहिए। जिस देश के नागरिकों में अपनी मातृभाषा के प्रति आत्माभिमान का भाव नहीं होता उनका विश्व में भी कहीं सम्मान नहीं होता। भाषा बचती है तो संस्कृति बचती है।

इस दिवस की सार्थकता यह संकल्प लेने में है कि बहु भाषावाद को प्रोत्साहित करते हुए भाषाई विविधता का सम्मान करें। विश्व की अन्य भाषाओं के प्रति अनुराग का भाव रखें। नई प्रौद्योगिकी में अपनी भाषा का उपयोग करें। भाषा को भूलें नहीं उसकी जड़ों से जुड़े और आत्मसात करें।

लेखक
डॉ. अशोक कुमार भार्गव
पूर्व आईएएस,मोटिवेशनल स्पीकर, इंदौर, मप्र
मो. नं. 9425427525

उपभोक्ता सावधानः ऑनलाइन सुविधा के साथ खतरा भी

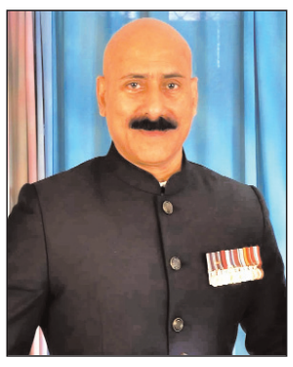

– डी.सी. सागर –

भारत में डिजिटल भुगतान का विस्तार अभूतपूर्व है और यह विकसित भारत @2047 के लिए सशक्त आधारशिला भी है। मोबाइल ऐप्स, QR कोड और नेट बैंकिंग ने लेन-देन को सरल और तेज़ बना दिया है। लेकिन इसी सुविधा के साथ एक गंभीर खतरा भी जुड़ा है–साइबर अपराधियों द्वारा API (Application Programming Interface) का दुरुपयोग। हाल ही में भोपाल में हुई एक घटना इस खतरे को उजागर करती है जिससे ज्ञान चक्षु खुलना अनिवार्य है।

घटना का विवरण

एक ग्राहक ने सड़क किनारे कैप बेचने वाले विक्रेता से QR कोड स्कैन कर भुगतान करने की कोशिश की। भुगतान असफल रहा। विक्रेता ने ग्राहक से मोबाइल 'जांचने' के लिए मांगा। ग्राहक ने कुछ सेकंड के लिए फोन सौंप दिया। इन्हीं कुछ सेकंडों में विक्रेता ने मोबाइल के API और डेटा से छेड़छाड़ कर 3 लाख की राशि ग्राहक के बैंक खातों से निकाल ली। आश्चर्यजनक रूप से किसी भी लेन-देन से पहले ग्राहक को OTP तक नहीं मिला। यह घटना बताती है कि अपराधी अब केवल पासवर्ड या OTP चुराने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे सीधे API स्तर पर हमला कर रहे हैं।

OTP न आने पर बैंक की जिम्मेदारी

यदि किसी ग्राहक को OTP प्राप्त नहीं हुआ और फिर भी बैंक खाते से राशि डेबिट होकर धोखेबाज़ के खाते में चली गई, तो यह सिस्टम की विफलता (systemic failure) और बैंकिंग सुरक्षा व्यवस्था का टूटना है। ऐसे मामलों में ग्राहक दोषी नहीं माना जाएगा। RBI के उपभोक्ता संरक्षण नियमों के अनुसार, बैंक ही जिम्मेदार होगा और उसे ग्राहक को मुआवज़ा देना होगा। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि OTP सुरक्षा तंत्र का असफल होना बैंक की जवाबदेही को जन्म देता है।

API अटैक: तकनीकी दृष्टि से

API मोबाइल ऐप्स और बैंकिंग सर्वरों को जोड़ने वाली रीढ़ की हड्डी है। जब इनकी निगरानी नहीं होती, तो ये अपराधियों के लिए हाईवे बन जाते हैं। इस मामले में संभवतः

- API सत्र हाईजैक कर चुपचाप ट्रांज़ैक्शन किया गया।
- मैलिशियस रिक्वेस्ट इंजेक्ट कर बैंकिंग ऐप्स को धोखा दिया गया।
- कमज़ोर ऑथेंटिकेशन का फायदा उठाकर OTP सुरक्षा को दरकिनार किया गया।
- स्टोर किए गए टोकन/क्रेडेंशियल्स का दुरुपयोग कर कई खातों तक पहुंच बनाई गई।

वैश्विक उदाहरण और सबक

- Uber (2022) - MFA को बायपास कर हार्डकोडेड क्रेडेंशियल्स से सिस्टम तक पहुंच।
- T-Mobile (2023) - शैडो API से 37 मिलियन ग्राहकों का डेटा लीक।
- Twitter/X (2019) - API खामी से 1.7 करोड़ फोन नंबर खातों से जुड़े।
- Slack (सफल उदाहरण) - लेयर्ड सिक्योरिटी, RBAC और ज़ीरो-ट्रस्ट से API सुरक्षित।

सटीक सबक: केवल एक खामी नहीं, बल्कि निगरानी की कमी और अनियंत्रित एक्सेस ही सबसे बड़ा खतरा है।

साइबर अपराध के आँकड़े

- CERT-In के अनुसार भारत में साइबर घटनाएँ 2022 में 10.29 लाख से बढ़कर 2024 में 22.68 लाख हो गईं।
- RBI वार्षिक रिपोर्ट 2025 के अनुसार बैंकों ने FY25 में 13,516 धोखाधड़ी मामलों की रिपोर्ट की, जिनमें 520 करोड़ शामिल थे।

ये आँकड़े बताते हैं कि खतरा कितना बड़ा है और सतर्कता कितनी ज़रूरी है।

RBI दिशा-निर्देश: ग्राहक की सुरक्षा

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने डिजिटल पेमेंट सुरक्षा नियंत्रण (2024) में निर्देश दिए हैं:

- सभी डिजिटल भुगतान में मजबूत ऑथेंटिकेशन।
- रियल-टाइम फ्रॉड डिटेक्शन और अलर्ट।
- यदि ग्राहक दोषी नहीं है, तो उसकी लायबिलिटी सीमित होगी।

इस मामले में OTP साझा नहीं किया गया, इसलिए ग्राहक दोषी नहीं है। बैंक को जांच कर मुआवज़ा देना होगा।

IT Act और कानूनी उपाय

- धारा 43 A - डेटा सुरक्षा में विफलता पर मुआवज़ा।
- धारा 66C, 66D - पहचान की चोरी और कंप्यूटर संसाधन से धोखाधड़ी पर सज़ा।
- धारा 72 - गोपनीयता का उल्लंघन करने पर दंड।
- Jan Vishwas Act 2023 - IT Act में संशोधन कर कई अपराधों को सिविल पेनल्टी में बदला गया।
- DPDP Act 2023 - व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा पर विशेष प्रावधान।

शासन द्वारा प्रदत्त संसाधन

- हेल्पलाइन 1930 - वित्तीय साइबर धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग।
- राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (cybercrime.gov.in) - ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें।
- Cyber Dost (आईटी मंत्रालय) - साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान।

नागरिकों के लिए सुरक्षा रणनीति

- कभी भी अपना मोबाइल किसी अजनबी को न दें।
- बैंकिंग ऐप्स में बायोमेट्रिक लॉक लगाएँ।
- ऐप परमिशन नियमित रूप से जाँचें।
- ऐप्स को अपडेट रखें।
- धोखाधड़ी होते ही बैंक और 1930 पर रिपोर्ट करें।
- परिवार को जागरूक करें–अपराधी अक्सर बुजुर्गों को निशाना बनाते हैं।

त्वरित RBI शिकायत प्रक्रिया

1. तुरंत बैंक को सूचित करें और लिखित शिकायत दर्ज करें।
2. 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करें।
3. cybercrime.gov.in पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें।
4. RBI उपभोक्ता संरक्षण नियमों का हवाला दें।
5. यदि समाधान न मिले, तो RBI Ombudsman से संपर्क करें।

स्व. प्रेमनारायण जायसवाल ने देश की राजनीति में विशेष पहचान बनाई

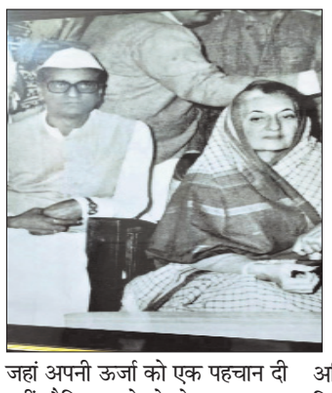

पचमढ़ी नगर के दिलों में अपनी अक्षुण्णता की पहचान बनाने वाले - देश प्रदेश और दिल्ली तक की गलियारों में श्री स्वं श्री प्रेमनारायण जी जायसवाल एक ऐसा अनकहा व्यक्तित्व रहा जिसने विरासतों की परम्पराओं में पचमढ़ी ही नहीं देश की राजनीति में अपनी निष्ठाओं की पहचान देकर गति दी है-

पचमढ़ी की राजनीति में चाचाजी के बाद ऐसी शख्सियत अब कोई दूसरी नहीं,, यह एक कड़वा सच है - अब है - चाटुकारिता और चरणदास और स्वार्थ की राजनीति

राजनैतिक क्षमताओं प्रशासकीय दूर दृष्टि निपुणताओ और युगीन ऊहापोहों के बीच सामंजस्य बनाए हुए जहां अपनी ऊर्जा को एक पहचान दी वहीं लौकिकताओ से परे समय समय पर अपने अन्तर्मन के सौंदर्य को भी विविध सौंपा नो पर अपनी पहचान दी ... व्यक्ति की लोकिक क्रियाशीलता तो सबके सामने आ ही जाती है परन्तु इन सबके बीच अंतरमन की सुंगध को पहचानने के लिए अनुभूतियों की धरती भी आवश्यक होती है -- ऐसे थे नगर के - जन के प्यारे - समाज -राज्य -देश में पचमढ़ी को पहचान दिलाने वाले हमारे नगर के - स्वं श्री चाचाजी प्रेमनारायण जी जायसवाल - उनकी-27 वी - पुण्यतिथि के अवसर पर हम सभी नगर वासियों ने इस - महामानव को श्रृद्धासुमन अर्पित किये और परिवार जनों की निष्ठाओं और परम्पराओं ने सुंदरकांड का विधिवत पाठ कराया - हमारे नगर की पहचान नगर कांग्रेस की पहचान देश में ख्याति प्राप्त इस विलक्षण व्यक्तित्व को उनकी 27 वीं पुण्यतिथि पर श्रृद्धा सुमन अर्पित स्वं श्री प्रेमनारायण जायसवाल इंदिरा गांधी से लेकर पंडित जवाहरलाल नेहरू राजीव और अन्य दिल्ली की गलियारों और राष्ट्रपति भवन में गूंजती थी पचमढ़ी की आवाज - उनके जाते ही - एक राजनीतिक निस्वार्थ सेवा भावी को जब से पचमढ़ी ने खोया है तब से लेकर आज तक - पचमढ़ी की राजनीति में - चापलूस चरणदास और स्वार्थ की अंधी राजनीति में पचमढ़ी को खोजना पड़ेगा मध्य क्षेत्र के किसी मसीहें को*

प्रस्तुति
डॉ. मनोज दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

कक्षा 5 व 8वीं की वार्षिक परीक्षायें शुरू

- 2900 परीक्षार्थी नहीं हुये पहले दिन की परीक्षा में शामिल

ग्वालियर। बोर्ड पैटर्न पर राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा शुक्रवार से कक्षा 5 व 8वीं की वार्षिक परीक्षायें शुरू हो गई। दोनों कक्षाओं की परीक्षाओं का समय दोपहर पाली में 2 बजे से शाम 4.30 बजे तक रखा गया है। परीक्षाओं के लिये 55 जनशिक्षा केन्द्रों में 288 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। जहां शुक्रवार को शासकीय व अशासकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले करीब 64 हजार परीक्षार्थियों ने उपस्थित होकर पहला पर्चा हल किया। सभी 288 परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्वक परीक्षा हुई।

जिला शिक्षा केन्द्र के अनुसार जिले में पहले दिन शुक्रवार को कक्षा 5वीं के 32 हजार 773 परीक्षार्थी उपस्थित हुये। जबकि 1507 छात्र छात्रायें परीक्षा में शामिल नहीं हुये। इसी तरह कक्षा 8वीं के 28156 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुये। जबकि 1393 छात्र कक्षा 8वीं की परीक्षा में उपस्थित नहीं हुये। एपीसी विजय शर्मा ने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्वक तथा पूरी तरह पारदर्शिता के साथ शुरू हो गई है। 14 उडनदस्ता दल गठित किये गये हैं, जो इस परीक्षा की मानीटरिंग करेंगे। सुबह कक्षा 10 व 12वीं की परीक्षायें संचालित हो रही है। इसीलिये राज्य शिक्षा केन्द्र ने यह परीक्षा दोपहर पाली में रखी है।

रिटायर्ड फौजी ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

ग्वालियर। महाराजपुरा थाना क्षेत्र के शताब्दीपुरम में रहने वाले 50 वर्षीय रिटायर्ड फौजी ने शराब के नशे में अपनी लायसेंसी रायफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। रिटायर्ड फौजी ने बिस्तर पर बैठकर रायफल की नली सिर के पास सटाकर ट्रिगर दबा दिया, जिससे उसके सिर और चेहरे का उपरी हिस्सा उड़ गया और मास के चीथड़े दीवार और छत पर जा चिपके और फौजी की एक आंख तीन फीटर दूर जा गिरी। धमाके की आवाज सुनकर परिजन जब कमरे में पहुंचे तो फौजी की मौत हो चुकी थी। मामले की जानकारी मृतक के परिजनों ने पुलिस को दी। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिये भिजवाकर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। फौजी ने आत्महत्या किन कारणों के चलते की इस बात का खुलासा नहीं हो सका है।

जानकारी के मुताबिक महाराजपुरा थाना क्षेत्र के शताब्दीपुरम में रहने वाले

रिटायर्ड फौजी श्याम बिहारी भदौरिया उम्र 50 ने अपनी लायसेंसी रायफल से खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली। श्याम बिहारी मूल रूप से भिंड जिले के तुकेड़ा, मालनपुर के निवासी थे और गुरूवार की रात खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चले गए थे, जबकि उनकी पत्नी और बच्चे दूसरे कमरे में सो रहे थे। रात करीब 1.30 से 2 बजे के बीच श्याम बिहारी के कमरे से जब धमाके की आवाज आई तो परिजन कमरे में पहुंचे तो देखा कि श्याम बिहारी बिस्तर पर खून से लथपथ पड़े थे। उनके पास में 315 बोर की राइफल पड़ी थी। जिसके बाद परिजनों ने महाराजपुरा पुलिस को मामले की सूचना दी। मामले की सूचना मिलते ही महाराजपुरा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। घटना के बाद जांच के लिए फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। फोरेंसिक टीम ने बिस्तर और दीवार, छत से सबूत जुटाए हैं। साथ ही राइफल से फिंगरप्रिंट लिए हैं। मृतक के शव से 3 फीट दूर उसकी एक आंख पड़ी मिली। पुलिस पूछताछ में परिजनों ने बताया कि श्याम बिहारी सुबह से ही शराब पी रहे थे। रात में नशे की हालत में अपने कमरे में सो गए थे, इसलिए किसी ने उन्हें परेशान नहीं किया। आसपास के लोगों ने पुलिस को बताया कि फौजी चार साल पहले रिटायर हो गया था। उस समय मिले रूपयों को उसने कुछ जमीन में इन्वेस्ट किया था। जमीन की कीमत ज्यादा नहीं बढ़ी। इन्वेस्टमेंट की वजह से तंगी हालत हो गई थी। घर में टेंशन और परेशानी थी। विवाद भी होते रहता था। इसी वजह से आत्महत्या की होगी। फिलहाल पुलिस ने शव का पीएम कराकर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

शराब के रूपये न देने पर की थी फायरिंग, चार बदमाश गिरफ्तार

ग्वालियर । माधौगंज थाना पुलिस ने शराब के रूपये न देने पर एक युवक के घर के बाहर फायरिंग करने वाले तीन बदमाशों और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया है। बदमाशों की गिरफ्तारी गुरुवार देर रात चिरवाई नाका हनुमान मंदिर के पास झाड़ियों से की गई। पुलिस ने आरोपियों के पास से बिना नंबर की एक स्कॉर्पियो, एक 315 बोर का कट्टा और दो खाली खोके बरामद किए हैं।

माधौगंज थाना क्षेत्र में 18 फरवरी की रात करीब 11.30 बजे आरोपियों ने हेम सिंह के परदे मुर्गी फार्म निवासी गौतम चौरसिया के घर के बाहर गाली-गलौज करते हुए फायरिंग की थी। घटना के दौरान बदमाशों के अन्य साथियों अक्षय नागिल और बाल अपचारी ने गौतम के पड़ोसी की घर के बाहर खड़ी कार में भी तोड़फोड़ की थी। पुलिस ने पकड़े गए बदमाशों

को उसी स्थान पर ले जाकर घटना का सीन रिक्रिएशन किया, जहां उन्होंने दहशत फैलाई थी। इस दौरान बदमाश सिर झुकाए हुए और लंगड़ाकर चल रहे थे। पकड़े गए बदमाशों की पहचान 22 वर्षीय योगेश कंषाना निवासी महलगांव, 22 वर्षीय सुमित चौहान निवासी गोवर्धन कॉलोनी गोला का मंदिर और 20 वर्षीय अक्षय नागिल निवासी करौली माता मंदिर महलगांव के रूप में हुई है। माधौगंज थाना प्रभारी दिव्या तिवारी ने बताया कि रंगदारी दिखाते हुए शराब के रूपये न देने पर युवक के घर के बाहर फायरिंग करने वाले एक बाल अपचारी सहित चार बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। उन्हें घटनास्थल पर ले जाकर घटना को समझने का प्रयास किया गया।

गोरखी स्कूल से सेवानिवृत महिलाकर्मी का घर में मिला शव

- मां के शव के साथ दो तीन दिन से रह रहे थे मानसिक रूप से बीमार बेटा बेटी

ग्वालियर। कोतवाली थाना क्षेत्र के दही मंडी स्थित मदनमोहन मार्केट में एक चौकाने वाली घटना सामने आई है। यहां रहने वालीं 70 वर्षीय महिला की बीमारी के कारण मौत हो गई। हादसे का दर्दनाक पहलू यह है कि महिला के दो बच्चे हैं, लेकिन दोनों ही मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं। इसलिए जब महिला की मौत हो गई तो बच्चों को पता ही नहीं चला कि उनकी मां दुनिया छोड़ चुकी है। मृतिका के बेटा बेटी मां के शव के साथ दो तीन दिन रहते रहे। घर से जब तेज दुर्गंध आने लगी तो पड़ोस में रहने वालों ने इसकी सूचना कोतवाली थाने में दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव

को अपने कब्जे में लिया और जांच शुरु की।

कोतवाली थाना प्रभारी मोहिनी वर्मा ने बताया कि दही मंडी स्थित मदनमोहन मार्केट में रहने वाली 70 वर्षीय उर्मिला भदौरिया की बीमारी से मौत हो गई। उर्मिला गोरखी स्कूल में क्लर्क के पद से 10 वर्ष पहले रिटायर्ड हुई थीं। उनके दो बच्चे एक बेटा तथा एक बेटी है, लेकिन दोनों ही मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं। उर्मिला भदौरिया की मौत हो गई, लेकिन दोनों बच्चे यही समझते रहे कि मां सो रही है और जब चार पांच दिन बीत गये तो शुक्रवार की सुबह दूध देने आये दूध वाले को जब तेज बदबू आई तो उसने इसकी जानकारी मृतिका के रिश्तेदारों और अड़ोसी पड़ोसियों को दी। मामले का पता चलता ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिये भिजवाया। थाना प्रभारी मोहिनी वर्मा ने बताया कि मृतिका के पति सुरेन्द्र सिंह भदौरिया की 15 वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी है। उर्मिला भदौरिया पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रही थीं और शव की हालत देखने से पता चलता है कि मौत 2 से 3 दिन पहले हो चुकी थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इंदौर के युवक का शव ग्वालियर में मिला, चार दिन से था लापता

ग्वालियर। इंदौर के एक युवक का शव गुरुवार देर रात गोला का मंदिर इलाके में ब्रिगेडियर तिराहा स्थित फुटपाथ पर पड़ा मिला। मृतक युवक चार दिन से लापता था। 16 फरवरी को इंदौर में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। मामले की जानकारी मिलते ही मृतक के बाद परिजन ग्वालियर पहुंचे और शुक्रवार सुबह शव लेकर इंदौर के लिए रवाना हो गये।

गोला का मंदिर थाना पुलिस के अनुसार गुरुवार रात 11.45 बजे ब्रिगेडियर तिराहा के फुटपाथ पर एक युवक का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक के पास मिले दस्तावेजों से उसकी पहचान इंदौर निवासी 30 वर्षीय प्रमोद पुत्र भेरूलाल सिसौदिया के रूप में हुई। पुलिस ने शव को निगरानी में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेजा और परिजनों को सूचना दी। इंदौर से ग्वालियर आये मृतक के बहनोई गोविंद कुमार ने बताया कि प्रमोद इंदौर में कार डेकोरेशन का काम करता था। वह चार दिन से लापता था और 16 फरवरी को इंदौर में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। अब ग्वालियर पुलिस से उसकी मौत की सूचना मिली है। परिजनों ने सवाल उठाए हैं कि प्रमोद इंदौर से ग्वालियर कैसे पहुंचा और किन परिस्थितियों में फुटपाथ पर पड़ा रहा? पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं उसे किसी ने ग्वालियर बुलाया तो नहीं था। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता लगाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि शॉर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

प्रदेशव्यापी गिद्ध गणना शुरू

पहले दिन ग्वालियर के जंगल में 290 गिद्ध दिखे

ग्वालियर। शुक्रवार से समूचे मध्यप्रदेश मं गिद्धों की संख्या का आंकलन करने के लिये तीन दिवसीय गिद्ध गणना शुरू हो गई है। पहले दिन ग्वालियर वन मंडल के अंतर्गत वन कर्मचारियों को कुल 290 गिद्ध बैठे हुये दिखे। जिनको शुक्रवार की गणना में शामिल किया गया। खास बात यह है कि बीते साल की अपेक्षा गिद्धों की संख्या बढ़कर देखने को मिली है। वन अधिकारियों ने बताया कि अभी आगामी दो दिन और गिद्ध गणना होगी।

ग्वालियर वन मंडल कार्यालय के अनुसार सभी छह रेंजों में एक साथ सुबह 6 बजे से 10 बजे तक जंगल मं गिद्धों की संख्या निर्धारित प्रपत्र के अनुसार आनलाइन भरी गई। जिसे बाद में एप के माध्यम से आनलाइन भोपाल सेंड की गई। पहले दिन शुक्रवार को हिमालयन ग्रिफन 12, लोंग विल्ड देशी गिद्ध 201, राज या

- पांच प्रजातियां एवं 29 अव्यस्क भी
- आज व कल भी होगी गिद्ध गणना

किंग गिद्ध एक, सफेद इजिपशियन गिद्ध 15 और यूरेशियन ग्रिफन 61 गिद्ध देखने को मिले। इसके साथ ही लगभग 10 बच्चे भी दिखे, जो अव्यस्क श्रेणी में शामिल किये गये हैं। यहां बता दें कि सर्वाधिक गिद्ध तिघरा वन परिक्षेत्र अंतर्गत मिर्चा घाटी चिकनी खोह के जंगल में तिघरा जलाशय किनारे पहाड़ की तलहटी पर देखने को मिले हैं। यहां उंची पहाड़ी व शांत निर्जन वनों के बीच सालों से अपना डेरा डाले हुये है, जो ही सीजन में यहां आसानी से देखने में आते है। इसी तरह ग्वालियर रेंज अंतर्गत किला पहाड़ी बीट तलहटी में दुर्लभ प्रजातियां देखने को मिली है। वन अधिकारी स्पष्ट छायाचित्र के माध्यम से समझनेका प्रयास कर रहे है। उधर सभी छह रेंजों की एकत्रित की गई जानकारी मुख्यालय भोपाल भेजी गई है। डीएफओ मुकेश पटेल ने बताया कि पहले दिन कुल 290 वल्चर यहां देखने को मिले है, जो कि बीते दिनों की अपेक्षा बढ़कर है। गिद्धों की पांच प्रजातियां यहां स्पष्ट हो गई है।

घर में काम करने आई महिला से छेड़छाड़

- घर मालिक व पत्नी आए तो भाग निकला आरोपी

ग्वालियर। घर में काम करने वाली महिला से गृह स्वामी से मिलने आए व्यक्ति ने छेड़खानी कर दी। हंगामा सुनकर घर मालिक व उनकी पत्नी आए तो आरोपी मौके से भाग निकला। घटना कंपू थाना क्षेत्र के अवाड़पुरा की है। पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ मामला कायम कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

वार्ड 55 के अवाड़पुरा में रहने वाली 30 वर्षीय महिला घरों में कामकाज करके अपनी गृहस्थी चलाती है। वह अवाड़पुरा में रहने वाले इरफान बेग के घर काम करने जाती है। गुरुवार सुबह वह काम समाप्त करके अपनी बेटी से बात कर रही थी, उसी समय वहां घर के मालिक इरफान बेग से मिलने फारुख खान वहां पहुंचा। इरफान बेग से मिलने के बाद फारुख नीचे आया तो काम करने वाली महिला को अकेला देखकर उसकी नीयत बिगड़ गई। आरोपी फारुख ने महिला को पकड़ लिया और उसके साथ छेड़खानी करने लगा।

आरोपी फारुख अपने गंदे इरादों में कामयाब होता उससे पहले ही महिला ने शोर मचाना शुरु कर दिया, जिससे इरफान बेग व उनकी पत्नी वहां पहुंच गए। दोनों को देखकर आरोपी फारुख मौके से भाग गया। पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ मामला कायम कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

विवाह समारोह से लौट रहे युवकों की कार में ट्रक ने मारी टक्कर, एक की मौत

ग्वालियर। शादी समारोह में शामिल होकर वापस घर जा रहे युवक हादसे का शिकार हो गए। युवकों की कार को पीछे से आ रहे ट्रक चालक ने टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर से कार पलट गई, जिससे बैठे युवक घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद एक युवक को मृत घोषित कर दिया। हादसे में एक अन्य घायल है, जिसका इलाज चल रहा है। हादसा गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात 1.30 बजे मेवाती ढाबा से पहले बायपास रोड पर हुआ। पुलिस ने मर्ग कायम कर हादसे की जांच शुरु कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विकास राव पुत्र पंजाब सिंह रावत निवासी केरुआ, जोगेन्द्र सिंह रावत पुत्र प्रान सिंह रावत निवासी धोबट बेलगढ़ा, शिवेन्द्र रावत तथा एक अन्य युवक शादी में शामिल होने के लिए मुरैना जिले के बानमोर आए थे। शादी समारोह में शामिल होने के बाद चारों दोस्त रात में ही घर जाने के लिए कार से निकले। बामौर से कुछ दूर निकले ही थे कि डबरा बायपास पर मेवाती ढाबा के पास ट्रक चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए कार में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कार पलट गई और उसमें बैठे युवक घायल हो गए। हाइवे पर हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल रवाना किया। हादसे में जागेन्द्र सिंह रावत पुत्र प्रान सिंह रावत निवासी धोबट बेलगढ़ा को सिर में गंभीर चोट लगी थी। उसका दोस्त शिवेन्द्र रावत भी बुरी तरह से घायल था। पुलिस जब घायलों को लेकर जेएएच पहुंची तो वहां चिकित्सकों ने नब्ज पर हाथ रखते ही जागेन्द्र सिंह पुत्र प्रान सिंह निवासी बेलगढ़ा को मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार जागेन्द्र सिंह ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया था। हादसे में घायल हुए शिवेन्द्र का इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।

लोडिंग वाहन की टक्कर से युवक घायल

लोडिंग वाहन के चालक ने बाइक से घर जा रहे युवक में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए सिविल अस्पताल हजीरा में भर्ती कराया गया है। विष्णु शर्मा पुत्र सीताराम शर्मा निवासी साईं वाटिका के पास चार शहर का नाका बीती रात बाइक से घर जा रहा था। विष्णु शर्मा राजपूत नाश्ता वाले की दुकान तक पहुंचा था, तभी पीछे से आ रहे लोडिंग वाहन नम्बर एमपी07जेडयू-3302 के चालक ने उसमें टक्कर मार दी। लोडिंग वाहन की टक्कर से विष्णु शर्मा बाइक सहित सड़क पर गिर गया। हादसे में घायल विष्णु शर्मा को स्थानीय निवासियों ने मदद करते हुए सिविल अस्पताल हजीरा पहुंचाया जहां उसका इलाज चल रहा है।

राजस्व विभाग की एडीसी के घर से गहने चोरी

ग्वालियर। राजस्व विभाग में पदस्थ महिला एडीसी के घर से अलमारी में रखे करीब 10 तोला सोने के जेवरात चोरी हो गए। घटना 16 दिसंबर 2025 की है। उस समय महिला अधिकारी अपने काम पर गई हुई थीं। मामला पड़ाव थाना क्षेत्र के न्यू साकेत नगर, तानसेन रोड का है। घर की मालकिन ने चोरी की आशंका घर में काम करने वाली नौकरानी पर जताई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

न्यू साकेत नगर, तानसेन रोड निवासी रानी वर्मा राजस्व विभाग के राजस्व मंडल में एडीसी के पद पर पदस्थ हैं। वह रोज सुबह करीब 10.30 बजे घर से कार्यालय जाती हैं और शाम लगभग 6.30 बजे लौटती हैं। उनके घर पर रामवती ढकोनिया पति अजय वर्मा, निवासी इंद्रानगर चार शहर का नाका, साफ-सफाई का काम करती है। रानी वर्मा का कहना है कि नौकरानी को पता था कि अलमारी की चाबी दराज में रखी रहती है। 16 दिसंबर को अलमारी खोलने पर गहने सुरक्षित मिले थे, लेकिन कुछ दिन बाद दोबारा अलमारी खोलने पर गहने गायब पाए गए। इसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। गहने चोरी होने पर मकान मालिक ने नौकरानी पर संदेह जताते हुए उसे पड़ाव थाने पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने उससे पूछताछ की, हालांकि फिलहाल उसे छोड़ दिया है। चोरी गए जेवरात में एक सोने का हार, एक मंगलसूत्र, कान के लटकन की एक जोड़ी, चार लेडीज अंगूठियां और दो चूड़ियां शामिल हैं। कुल सोना करीब 10 तोला बताया जा रहा है, जिसकी कीमत लगभग 15 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुखबिरी के शक में युवक को पीट-पीटकर किया अधमरा

ग्वालियर। पुलिस का मुखबिर होने के शक पर बदमाशों ने युवक के साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

जानकारी के अनुसार अंशुल सेंगर 24 वर्ष पुत्र उदयवीर सिंह सेंगर निवासी लाइन नम्बर 1 बिरला नगर बीते रोज प्रसूति गृह के पास खड़ा था। शाम के 6 बज रहे थे तभी वहां रवि तोमर निवासी पुरानी रेशम मिल अखाड़ा अपने एक साथी के साथ पहुंचा और अंशुल से बोला कि तू पुलिस में मेरी मुखबिरी करता है। अंशुल ने कहा कि वह पुलिस का कोई मुखबिर नहीं है जो उसकी मुखबिरी करेगा। इसी बात पर विवाद हो गया और रवि तोमर व उसके साथी ने अंशुल के साथ मारपीट करना शुरु कर दी। हमलावरों ने अंशुल को डंडे से इतना पीटा कि उसकी हालत खराब हो गई। शोर-शराबा सुनकर जब वहां लोग इकठ्ठा होने लगे तो रवि तोमर व उसका साथी जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है।

पत्नी से पीड़ित पति ने डीजीपी से लगाई गुहार

ग्वालियर। पत्नी से पीड़ित पति ने मध्यप्रदेश पुलिस के मुखिया से अपनी जान-माल की सुरक्षा करने की गुहार लगाई है। पीड़ित ने डीजीपी से शिकायत की है कि उसकी पत्नी का चाल-चलन ठीक नहीं है और वह बदमाशों को बुलाकर आए दिन उसके साथ मारपीट करती है। मामला जनकगंज थाने का है। हरिओम चौबे उर्फ जोशी निवासी गेंडे वाली सड़क ने डीजीपी को जो शिकायती आवेदन दिया है जिसमें उसने कहा है कि उसकी पत्नी सरोज जोशी का चाल-चलन ठीक नहीं है। अन्नू जोशी, राहुल जादूगर, अरुण जोशी, देवेन्द्र जोशी, लल्ला जोशी को आए दिन उसकी पत्नी घर बुलाती है और उसके साथ मारपीट करवाती है। जब उसने जनकगंज थाने में शिकायत की तो उसकी सुनवाई नहीं की गई। पत्नी सरोज जोशी झूठे केस लगवाकर परेशान करती है। उसका हाथ ठेला भी तोड़ दिया, जिससे अब वह मजदूरी करने भी नहीं जा पा रहा। डीजीपी को दिए शिकायती आवेदन में हरिओम चौबे ने जनकगंज थाने के पुलिसकर्मी राजेन्द्र मिश्रा तथा भूपेन्द्र सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं और बताया कि दोनों मेरी पत्नी से मिले हैं।

वारदात की नीयत से कट्टा लेकर खड़ा बदमाश पकड़ा

ग्वालियर। वारदात करने की नीयत से कट्टा लेकर खड़े बदमाश को बहोड़ापुर थाना पुलिस ने सागरताल के पीछे मजार के पास से पकड़ा है। पुलिस ने बदमाश के पास से एक 315 बोर का कट्टा बरामद किया है। बहोड़ापुर थाना टीआई आलोक सिंह परिहार ने बताया कि गुरुवार शाम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सागरताल के पीछे जो मजार है वहां एक युवक खड़ा है जिसकी गतिविधि संदिग्ध है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर रवाना किया गया। पुलिस ने घेराबंदी कर युवक को पकड़ा और पूछताछ की तो उसने अपना नाम अरवाज खान पुत्र मुन्ना हुसैन निवासी अनामिका स्कूल के पास इंद्रा नगर कॉलोनी बताया।

निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन आज

ग्वालियर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत निर्धारित संशोधित कार्यक्रम के अनुसार ग्वालियर जिले में भी फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली (अर्हता तिथि 01.01.2026) का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी को किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधी की बैठक इस दिन दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित होगी। इस बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को निर्वाचक नामावली के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी।

हाईकोर्ट के फैसले के बाद डॉ. गुप्ता पर कार्रवाई की उठी मांग

- गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध है सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल

ग्वालियर। गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. गिरिजा शंकर गुप्ता की विभागीय जांच अब नए सिरे से शुरु होगी। आवश्यकता होने पर महाविद्यालय डीन स्वयं जांच कर या कराकर अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकते हैं। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद डॉ. गिरजा शंकर गुप्ता की मुश्किलें बढ़ गई है। महाविद्यालय अधिष्ठाता को पत्र लिखकर स्वतंत्र एकता मंच के अध्यक्ष ने डॉ. गुप्ता पर जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

स्वतंत्र एकता मंच के अध्यक्ष भानू प्रताप चौरसिया ने मांग की है कि सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ.गिरजा शंकर गुप्ता ने जिन दस्तावेजों को लगाकर नौकरी हथियाई है, वह फर्जी हैं। इसका खुलासा स्वयं संस्था प्रमुख कर चुके हैं। इसके बाद विभागीय जांच में चिकित्सकों से हुई त्रुटी के कारण अब हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते कार्रवाई का अधिकार डीन को दिया है। स्वतंत्र एकता मंच के अध्यक्ष ने महाविद्यालय अधिष्ठाता से मांग की है कि फर्जीबाड़ा कर अधीक्षक की कुर्सी हथियाने वाले डॉ. गिरजा शंकर गुप्ता पर जल्द से जल्द कार्रवाई की जाए। गौरतलब है कि सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. गिरिजा शंकर गुप्ता की विभागीय जांच शुरु हुई थी। जिसे डॉ. गुप्ता ने हाईकोर्ट में चैलेंज किया था। इस पर हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि महाविद्यालय डीन स्वयं जांच कर या जांच कराकर अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकते हैं। इसके बाद से डॉ. गुप्ता पर कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। वहीं दस्जावेजों में फर्जीवाड़े पर अभी फैसला आना बाकी है।

गुटखा महंगा देने पर विवाद, पिता-पुत्र ने ग्राहक को पीटा

ग्वालियर। गुटखा, पान मसाला व सिगरेट के दाम बढ़ने पर ग्राहक और दुकानदारों के बीच कहासुनी और मारपीट की घटनाएं सामने आने लगी हैं। गुरुवार रात मोहना थाना क्षेत्र के एंथोनी तिराहा पर दुकान चलाने वाले पिता-पुत्र ने मिलकर भिंड के एक युवक के साथ मारपीट कर उसे धक्का देकर गिरा दिया, जिससे उसके सिर में चोट लग गई। पुलिस ने पिता पुत्र के खिलाफ मामला कायम कर लिया है। जानकारी के अनुसार नीरज सिंह राजावत पुत्र इंद्रजीत सिंह राजावत निवासी रोहानी का पुरा लहार जिला भिंड खाना खाने के लिए एक ढाबे पर रुके थे। खाना खाने के बाद नीरज ने एंथोनी तिराहा स्थित बांके बिहारी के नाम से संचालित दुकान पर पहुंचे और वहां गुटखा का पाउच खरीदा। गुटखा का पाउच अभी तक जितने का आता था उससे ज्यादा रुपए दुकानदार जगदीश कुशवाह तथा उसके बेटे शिवराज कुशवाह ने मांगे। गुटखा के दाम ज्यादा सुनकर नीरज राजावत ने इसका विरोध किया और कहा कि वह तो जितने का आता है उतने ही रुपए देगा। इसी बात पर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया और दुकानदार जगदीश कुशवाह तथा उसके बेटे शिवराज कुशवाह ने नीरज राजावत के साथ मारपीट कर दी और उसे धक्का दे दिया। धक्का लगने से नीरज राजावत जमीन पर गिर गया, जिससे उसके सिर में चोट लग गई। आसपास खड़े लोगों ने मामले को शांत कराया। नीरज राजावत ने गुटखा के रुपए दिए और सीधे मोहना थाने पहुंचे और पुलिस को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया। मोहना थाने के टीआई रशीद खान ने बताया कि झगड़ा गुटखे के रुपए देने पर हुआ जो मारपीट में बदल गया। पुलिस ने आरोपी दुकानदार व उसके बेटे के खिलाफ मामला कायम कर लिया है।

संपादकीय

कार्य-संस्कृति, उत्पादकता और विकास की चुनौती

के.एस. तोमर,

चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के नेतृत्व में जर्मनी का आर्थिक आत्ममंथन बर्लिन से कहीं आगे तक गूंजने वाली बहस बन चुका है। जब विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का प्रमुख नागरिकों से समृद्धि बनाए रखने के लिए 'अधिक काम' करने का आह्वान करता है, तो यह सांस्कृतिक आलस्य नहीं, बल्कि संरचनात्मक दबाव का संकेत होता है। मर्ज ने 'लाइफस्टाइल पार्ट-टाइम वर्क', अत्यधिक बीमार अवकाश व चार-दिवसीय कार्य-सप्ताह की अवधारणा की आलोचना करते हुए कहा है कि 'वर्क-लाइफ बैलेंस और चार-दिवसीय सप्ताह वर्तमान समृद्धि को बनाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं होंगे।' उन्होंने ग्रीस जैसे देशों में अधिक कार्य-घंटों की भी सराहना की है।आलोचक तर्क देते हैं कि जर्मनी की प्रति घंटा उत्पादकता अब भी विश्व में अग्रणी है (ओईसीडी के अनुसार), किंतु मर्ज कुल कार्य-परिमाण पर बल देते हैं। 2026 में जर्मनी का अनुमानित जीडीपी 5.33 ट्रिलियन डॉलर (आइएमएफ अनुमान) है- जो उसे अधिकांश देशों से आगे रखता है, पर लगभग 32 ट्रिलियन डॉलर की अमरीकी अर्थव्यवस्था और 21 ट्रिलियन डॉलर के चीन से काफी पीछे है। भारत, लगभग 4.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ, समग्र आकार में अंतर घटा रहा है, भले ही प्रति व्यक्ति आय में बड़ा अंतर कायम है। स्पष्ट है कि यह बहस केवल जर्मनी की नहीं, बल्कि वृद्ध होती आबादी और बदलती वैश्विक शक्ति-संरचना के बीच विकास बनाए रखने की चुनौती का प्रतीक है।

यह प्रश्न पूरे विकसित विश्व के सामने है। जर्मनी यूरोप की औद्योगिक धुरी और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं का प्रमुख चालक है। उसका इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल, रसायन और पूंजीगत वस्तु क्षेत्र एशिया और भारत से गहराई से जुड़ा है। वहां की किसी भी संरचनात्मक मंदी का असर मध्यवर्ती वस्तुओं की मांग, तकनीकी साझेदारी और निवेश प्रवाह पर पड़ता है।

श्रम नीति में परिवर्तन एशियाई उत्पादन नेटवर्क तक लहर पैदा करता है और निर्यात-निर्भर अर्थव्यवस्थाओं की रणनीतियों को प्रभावित करता है। पिछले दो दशकों से जर्मनी की जनसंख्या लगभग स्थिर है; प्राकृतिक वृद्धि नकारात्मक रही है, जिसे आप्रवासन ने संभाला है। समृद्धि बढ़ने के साथ प्रति श्रमिक वार्षिक कार्य-घंटे घटे हैं। 2024-25 के यूरोस्टेट और ओईसीडी आंकड़ों के अनुसार औसत साप्ताहिक कार्य-घंटे 33.9-34.6 हैं- यूरोपीय संघ में सबसे कम में से एक है- जो लगभग 1,350 वार्षिक घंटों के बराबर है, जबकि ग्रीस में यह लगभग 39.8 है। यह एक परिपक्व कल्याणकारी समाज की प्रवृत्ति है, जहां भौतिक सुरक्षा के बाद अवकाश को महत्व मिलता है।

इसके विपरीत, चीन ने विशाल श्रम-निवेश और निर्यात-उन्मुख विस्तार से कुल आकार में जर्मनी को पीछे छोड़ा, जबकि अमरीका ने बेहतर जनसांख्यिकी, श्रम-लचीलापन और नवाचार से बढ़त बनाए रखी। भारत के लिए संकेत स्पष्ट हैं। जर्मन कंपनियां उच्च श्रम लागत और जनसांख्यिकीय दबाव के बीच लागत-कुशल बाजारों की ओर रुख कर सकती हैं। जनवरी 2026 में संपन्न भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता, जिसके तहत 2032 तक यूरोपीय निर्यात दोगुना होने और 96% से अधिक वस्तुओं पर शुल्क में कटौती का अनुमान है, भारत-जर्मनी व्यापार (जो 29 अरब डॉलर से अधिक है) को गति दे सकता है। परंतु केवल जनसांख्यिकीय लाभ पर्याप्त नहीं। कौशल, उत्पादकता और नियामकीय सुधार अनिवार्य हैं।मर्ज का तर्क है कि समग्र 'कार्य-प्रदर्शन' अपर्याप्त है। दशकों में प्रति कर्मचारी वार्षिक कार्य-घंटे घटे हैं- यह आलस्य नहीं, बल्कि उच्च आय वाले समाज का तर्कसंगत व्यवहार है। जब वेतन ऊंचे हों, तो श्रमिक अतिरिक्त आय की बजाय अवकाश चुन सकते हैं। मजबूत श्रम-सुरक्षा और कड़े कार्य-समय नियमों ने कार्य-जीवन संतुलन सुनिश्चित किया है, पर लचीलापन सीमित किया है। तीव्र वैश्विक प्रतिस्पर्धा में कठोर संरचनाएं बाधा बन सकती हैं।जनसांख्यिकीय दबाव और गंभीर है। डेस्टाटिस के अनुसार 2035 तक 67 वर्ष से अधिक आयु वाले लोगों की हिस्सेदारी 25-27% तक पहुंच सकती है। वृद्धावस्था निर्भरता अनुपात भी तेजी से बढ़ेगा।

आत्मा खोने पर सिर्फ नाम और नंबर की सूची बनकर रह जाएंगे रिश्ते

डिजिटल क्रांति ने इस दूरी को और भी गहराई दी है। दोस्त अब मोहल्ले की गली या गांव की चौपाल पर नहीं मिलते, वे सोशल मीडिया और आभासी खेलों की दुनिया में मिलते हैं। भाई-बहन एक ही घर में रहकर भी अपने-अपने डिजिटल कमरों में कैद हैं। किसी के कानों में हेडफोन है, किसी की आंखों पर मोबाइल की स्क्रीन चमक रही है। माता-पिता के पास बच्चों से बात करने का समय नहीं और बच्चों के पास माता-पिता को सुनने का धैर्य नहीं।

रिश्ते कभी वसंत की तरह खिलखिलाते हैं, कभी बरसात की तरह गीला-गीला होते हैं, कभी ग्रीष्म की तरह तपते हैं और कभी पतझड़ की तरह सूने-सूने लगते हैं। मगर बीते कुछ दशकों में इनका बदलना सिर्फ स्वाभाविक चक्र नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन के गहरे बदलावों का आईना भी बन गया है। आज जब हम चारों ओर देखते हैं, तो पाते हैं कि रिश्तों का रूप, उनकी परिभाषा और उनका निभाया जाना- सब कुछ बदल रहा है। यह स्थिति हमें कभी सुकून देती है, तो कभी बेचैनी से भर देती है।कभी भारतीय समाज की सबसे बड़ी पहचान संयुक्त परिवार हुआ करती थी। एक ही छत के नीचे तीन-चार पीढ़ियां साथ रहती थीं। बच्चों का पालन-पोषण सिर्फ मां-बाप तक सीमित नहीं था, उसमें दादी-नानी का दुलार, बड़ों की डांट और छोटे-बड़े भाई-बहनों की शरारतें शामिल थीं। त्योहार धार्मिक अवसर मात्र नहीं होते थे, बल्कि वे पारिवारिक एकजुटता और रिश्तों की मजबूती का उत्सव होते थे। अब वही संयुक्त परिवार टूटकर छोटे-छोटे फ्लैटों में सिमट गए हैं। महानगरों की नौकरी और पढ़ाई ने हमें ऐसी जगह पहुंचा दिया है, जहां न तो आंगन है, न चौपाल। चार पीढ़ियों का साथ अब दुर्लभ हो गया है। रिश्तों की नजदीकी धीरे-धीरे दूरी में बदल गई है।

डिजिटल क्रांति ने इस दूरी को और भी गहराई दी है। दोस्त अब मोहल्ले की गली या गांव की चौपाल पर नहीं मिलते, वे सोशल मीडिया और आभासी खेलों की दुनिया में मिलते हैं। भाई-बहन एक ही घर में रहकर भी अपने-अपने डिजिटल कमरों में कैद हैं। किसी के कानों में हेडफोन है, किसी की आंखों पर मोबाइल की स्क्रीन चमक रही है। माता-पिता के पास बच्चों से बात करने का समय नहीं और बच्चों के पास माता-पिता को सुनने का धैर्य नहीं। संवाद जो कभी रिश्तों की जान हुआ करता था, अब सोशल मीडिया के अलग-अलग मंचों पर 'स्टेटस अपडेट' की दुनिया में बिखर गया है। शिकायतें सीधे कहे जाने के बजाय इशारों और 'इमोजी' में बदल गई हैं।

डिजिटल दुनिया ने कुछ नए रास्ते खोले हैं

यह भी सच है कि डिजिटल दुनिया ने कुछ नए रास्ते खोले हैं। परदेस गया बेटा अब अपनी मां से रोज वीडियो काल के जरिए बात कर सकता है। बहन-भाई रक्षाबंधन पर आनलाइन तोहफे भेज सकते हैं। विदेश में बैठा छात्र अपने गांव की शादी का सीधा प्रसारण देख सकता है। यह सब तकनीक की देन है और रिश्तों को नई तरह की निकटता भी देती है। मगर सवाल यही है कि क्या यह निकटता असली अपनापन बन पाती है? दिल का 'इमोजी' क्या सचमुच धड़कते दिल की गर्माहट पहुंचा सकता है? एक वीडियो काल क्या मां की गोद का विकल्प हो सकता है?

नई पीढ़ी रिश्तों को बराबरी की नजर से देखती है। बेटियां अपने फैसले खुद ले रही हैं, बेटे घर के कामों में हाथ बंटा रहे हैं। विवाह और दोस्ती, दोनों में बराबरी का भाव बढ़ा है। जाति और धर्म के बंधनों को भी धीरे-धीरे चुनौती दी जा रही है। यह बदलाव सकारात्मक है, क्योंकि यह रिश्तों को न्यायपूर्ण और अधिक मानवीय बना रहा है। मगर साथ ही यह पीढ़ी धैर्य और प्रतीक्षा से भी दूर जा रही है। हर चीज उन्हें तुरंत चाहिए- खाना, प्यार और रिश्ते भी। यही कारण है कि अब टूटते रिश्ते किसी को ज्यादा विचलित नहीं करते। सोशल मीडिया पर 'ब्लाक' और 'अनफ्रेंड' रिश्तों को खत्म करने का सबसे आसान रास्ता बन गए हैं। जहां पहले रिश्ते निभाने के लिए समझौते और त्याग की जरूरत होती थी, वहां अब एक क्लिक से रिश्ता खत्म करना आम हो गया है।

उपभोक्तावादी संस्कृति ने भी रिश्तों की आत्मा को गहराई से प्रभावित कियाउपभोक्तावादी संस्कृति ने भी रिश्तों की आत्मा को गहराई से प्रभावित किया है। पहले रिश्ते अपनापन और जिम्मेदारी के आधार पर चलते थे। अब वे लाभ-हानि के तराजू में तौले जाने लगे हैं। दोस्ती तब तक है, जब तक काम आ रही है। विवाह तब तक है, जब तक सुख और सुविधा मिल रही है। पड़ोस तब तक है, जब तक उससे कोई फायदा जुड़ा हुआ है। यह मानसिकता रिश्तों को खोखला कर रही है। रिश्ते अब जिम्मेदारी कम और सौदेबाजी ज्यादा लगने लगे हैं।

त्योहारों की दुनिया में भी यही बदलाव दिखता है। पहले दीपावली पर घर-घर जाकर मिठाइयां बांटी जाती थीं, अब आनलाइन तोहफे का 'वाउचर' भेजना काफी समझा जाता है। होली पर गले मिलने की जगह 'हैप्पी होली' का संदेश भेज देना सामान्य हो गया है। ईद की सेवई और क्रिसमस का केक अब 'वाट्सएप स्टिकर' तक सिमट गया है। त्योहारों की आत्मा रिश्तों की गहराई थी, जो अब बाजार और तकनीक की चमक में कहीं खोती जा रही है।

तस्वीर पूरी तरह अंधेरी नहीं

फिर भी तस्वीर पूरी तरह अंधेरी नहीं है। बदलते रिश्तों के इस मौसम ने नई संभावनाएं भी खोली हैं। अंतरजातीय और अंतरधार्मिक विवाहों की स्वीकृति बढ़ रही है। दूरदराज के रिश्तेदार मोबाइल और सोशल मीडिया के जरिए लगातार जुड़े रह सकते हैं। मगर मूल सवाल वही है कि क्या यह सब रिश्तों को जीवित रखने के लिए काफी है? क्या आभासी अपनापन वास्तविक संवेदना की जगह ले सकता है? सच तो यही है कि रिश्ते निभाने के लिए तकनीक से अधिक संवेदना चाहिए। उन्हें जीवित रखने के लिए समय चाहिए, धैर्य चाहिए और सबसे बढ़कर वह मानवीय स्पर्श चाहिए, जिसे कोई मशीन नहीं दे सकती।

रिश्तों का मौसम चाहे जैसे भी बदले, उनकी आत्मा वही पुरानी है- विश्वास, अपनापन और जिम्मेदारी। अगर आत्मा बची रही तो रिश्ते बदलते मौसमों में भी हरे-भरे रहेंगे। अगर यह आत्मा खो गई, तो रिश्ते सिर्फ नामों और नंबरों की सूची बनकर रह जाएंगे। आज हमें यही तय करना है कि हम किस मौसम में जीना चाहते हैं- वसंत की गुनगुनाती गरमाहट में या पतझड़ की सूनी उदासी में।

यह भी पढ़ें: विदेशों में बस गए थे, फिर 100 साल पुराने घर ने लौटा दीं जड़ें, कराईकुडी से परिवार और परंपरा की वापसी

हाल ही में तमिलनाडु के शिवगंगा जिले के कराईकुडी में अपनी जड़ों से जुड़े रहने की एक घटना चर्चा में आई। यहां एक ही परिवार की पीढ़ियों ने गांव-घर लौटने का मन बनाया। दुनिया के अलग-अलग हिस्से में जा बसे इन लोगों ने व्यस्तता और जीवन की आपाधापी को भूल कर एक-दूजे से मिलने का मार्ग निकाला और अपने पैतृक आवास पर पहुंच गए। बिखरते रिश्तों के इस दौर में यह प्रयास पीढ़ियों को जोड़ने की एक प्रेरणादायी घटना है।

लक्ष्य से दूर कार्बन उत्सर्जन पर लगाम, भारत की अपनी चिंताएं और चुनौतियां

धरती का तापमान न बढ़े, इसके लिए कवायद तो हो रही है, लेकिन दुनिया भर के देशों की वर्तमान नीतियां ऐसी हैं जो तापमान को 2.3 से 2.5 डिग्री तक ले जा सकती हैं। हालांकि कई देशों ने नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर दिया है। फिर भी 29 देशों में कार्बन उत्सर्जन उच्च स्तर पर बना हुआ है। दूसरी ओर, भारत कम उत्सर्जन के साथ मध्यम प्रदर्शन कर रहा है।

'कार्बन मार्केट वाच' की रपट बताती है कि वर्तमान समय में विश्व के कई बड़े देश जलवायु परिवर्तन रोकने में सफल नहीं रहे हैं। लिहाजा 1.5 डिग्री तापमान के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कार्बन उत्सर्जन में 43 फीसद कमी लाने की जरूरत है। मगर इसकी उम्मीद अभी नहीं दिख रही है। कई बड़े उद्योगों का कामकाज जलवायु लक्ष्यों के अनुकूल नहीं है। सच यह है कि वैश्विक तापमान बढ़ने से रोकने के प्रयास अपर्याप्त हैं।

पिछले जी-20 सम्मेलन में शामिल देशों में वर्ष 2050 तक पृथ्वी के तापमान में बढ़ोतरी को डेढ़ डिग्री तक रखने पर सहमति बनी थी। यह अच्छी बात है कि इस वर्ष का केंद्रीय बजट ऊर्जा परिवर्तन को बढ़ावा देता है। मगर यह भी सच है कि भारत के विकास लक्ष्यों के साथ जलवायु अनुकूलन का तालमेल स्थापित करने में कहीं न कहीं कमी रह जाती है।

गौरतलब है कि वर्ष 2022 में भारत ने कई महीनों तक गर्म हवाओं, बाढ़ और चक्रवात जैसी विषम मौसमी घटनाओं का सामना किया था, जिससे जन-जीवन से लेकर लोगों की आजीविका तक प्रभावित हुई। साथ ही विकास कार्यों के लिए यह स्थिति बाधा बनी रही।'नेट जीरो' का मतलब ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन शून्य करना भर नहीं'नेट जीरो' का मतलब ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन शून्य करना भर नहीं है, बल्कि इन गैसों को दूसरे कामों से संतुलित करना भी है। ऐसी अर्थव्यवस्था भी तैयार करना है, जिसमें जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल न के बराबर हो। साथ ही कार्बन उत्सर्जन करने वाली दूसरी चीजों का इस्तेमाल भी कम से कम हो। अभी जितना कार्बन उत्सर्जन किया जा रहा है, उसी के अनुपात में उसे अवशोषित करने का भी इंतजाम हो।

यह पर्यावरण संरक्षण से ही संभव है। यदि कार्बन उत्सर्जन एक निश्चित मात्रा में होता है और उत्सर्जन करने वाली इकाई उसी अनुपात में पेड़ों को महत्त्व देती है, तो कार्बन उत्सर्जन और अवशोषण की समानता के कारण उत्सर्जन को शून्य स्तर पर ले जाना आसान हो जाएगा। मगर मौजूदा दौर में जिस तरह से पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, उससे अब शून्य उत्सर्जन के बारे में सोचना सपना ही लगता है। फिलहाल दुनिया में केवल दो देश भूटान और सूरीनाम ही हैं, जहां कार्बन उत्सर्जन शून्य है। इसकी वजह वहां कम आबादी और चारों तरफ हरियाली है।

महज वादे करने और इरादे जताने भर से इस उत्सर्जन को शून्य पर लाना संभव नहीं है। छोटे-बड़े कई देशों ने संकल्प तो जताया, लेकिन उत्सर्जन रोकने के के ठोस उपाय नहीं किए। नतीजा अब पूरी दुनिया देख रही है। अगर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन इसी तरह होता रहा, तो वर्ष 2050 तक पृथ्वी का तापमान दो डिग्री बढ़ जाएगा। यह पूरी दुनिया के लिए भयावह होगा। लोगों को भीषण सूखा से लेकर विनाशकारी बाढ़ का सामना करना पड़ेगा। हिमखंड और अधिक पिघलेंगे। समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा। ऐसे में कई देशों के सामने अस्तित्व का संकट पैदा होगा।

दुनिया के 192 देश संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन का हिस्सा हैं। इनमें 137 देश शून्य उत्सर्जन का समर्थन करते हैं। देखा जाए, तो कुल ग्रीनहाउस उत्सर्जन में इनकी हिस्सेदारी 80 फीसद है। इनमें सबसे ज्यादा उत्सर्जन करने वाले चीन और अमेरिका भी इसी में शामिल हैं। चीन ने वर्ष 2026 तक शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है, लेकिन इस मामले में वह कितना खरा उतरेगा, कहना मुश्किल है। दूसरी ओर, जर्मनी और स्वीडन जैसे देश 2045 तक, जबकि आस्ट्रिया, फिनलैंड और उरुग्वे ने अलग-अलग समय में शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है।

कई देश वर्ष 2050 तक शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखते हैं

अमेरिका के अलावा ऐसे कई देश हैं जो इस मामले में कहीं आगे जाकर वर्ष 2050 तक शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखते हैं। इस बीच सुखद यह है कि जलवायु परिवर्तन की इस चुनौती के बीच भारत के वन क्षेत्र में वर्ष 2021 के दौरान तीन फीसद से अधिक बढ़ोतरी हुई। वैसे भारत जलवायु परिवर्तन को लेकर दूसरे देशों के मुकाबले कहीं अधिक चिंतित है। इस समय वह नवीकरणीय ऊर्जा पर विशेष जोर दे रहा है।

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (काप-26) में भारत ने इस मामले में अपना पक्ष रखा था। अभी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वर्ष 2030 तक गैर जीवाश्म ऊर्जा को किसी भी तरह कम किया जाए। दूसरा यह कि अपनी 50 फीसद ऊर्जा जरूरतों को नवीकरणीय ऊर्जा से कैसे पूरा किया जाए। वहीं कार्बन उत्सर्जन को भी कम करते जाना है।

इसके अलावा, वर्ष 2070 तक शून्य उत्सर्जन हासिल करने का लक्ष्य तो है ही। हालांकि समय की कसौटी पर कौन कितना खरा उतरेगा, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन कार्बन उत्सर्जन से पर्यावरण को कितना नुकसान हुआ है, यह अब पूरी दुनिया में दिखने लगा है। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में हरित विकास पर जोर दिया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य भारत को स्वच्छ ऊर्जा में अग्रणी बनाना और वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करना है।बजट में नवीकरणीय ऊर्जा के लिए भी बड़ी राशि आबंटित की गई है और ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रानिक वाहनों तथा परमाणु ऊर्जा के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन कम करने वाली परियोजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। इस वर्ष के बजट में पर्यावरण संबंधी चिंताओं को दूर करने की पहल दिखती है। हरित ऊर्जा गलियारा, परमाणु ऊर्जा पर जोर और हरित बुनियादी ढांचा- ये सब ऐसे संदर्भ हैं, जिस पर भारत 'पृथ्वी प्रथम' की नीति को महत्त्व देता है। जबकि कुछ ताकतवर देश अपनी नीतियों में 'देश प्रथम' को महत्त्व दे रहे हैं।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी के 'चाइनीज रोबोटिक डॉग' ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर कराई फजीहत

यह बात समझ से बाहर है कि इस संस्थान को चीन के बनाए 'रोबोटिक डाग' को अपना नवाचारी उत्पाद बता कर पेश करने की क्या जरूरत थी?.द्ध सम्मेलन में उपस्थित उसके प्रतिनिधि ने क्या सोच कर इस संबंध में अतिरेक से भरे और झूठे दावे किए?

आमतौर पर झूठे दावों की हकीकत किसी न किसी रूप में सामने आ जाती है, लेकिन कई बार उसके नतीजे गंभीर होते हैं। दिल्ली में आयोजित 'एआइ इम्पैक्ट सम्मेलन' में हिस्सा लेने वाले गलगोटिया यूनिवर्सिटी के एक झूठ से न केवल उसकी फजीहत हुई, बल्कि इस आयोजन में बरती जाने वाली कोताही पर भी सवाल उठे।

यह बात समझ से बाहर है कि इस संस्थान को चीन के बनाए 'रोबोटिक डाग' को अपना नवाचारी उत्पाद बता कर पेश करने की क्या जरूरत थी?.द्ध सम्मेलन में उपस्थित उसके प्रतिनिधि ने क्या सोच कर इस संबंध में अतिरेक से भरे और झूठे दावे किए? अव्वल तो भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए इस तरह के फर्जी और अनैतिक दावे करने के बारे में सोचना भी नहीं चाहिए था।

दूसरे, ऐसा करते हुए एक बार भी इस बात का ध्यान रखना जरूरी नहीं समझा गया कि जिस तरह की तकनीक के बारे में झूठा दावा किया गया, आज इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में उस झूठ को सामने आने में ज्यादा वक्त नहीं लगता है। आखिर विवाद बढ़ने के बाद संस्थान को माफी मांगनी पड़ी, लेकिन इससे उसकी विश्वसनीयता पर गंभीर असर पड़ा है। इस विवाद को गंभीरता से लेते हुए सरकार ने उचित ही सम्मेलन से वह स्थल खाली करने को कहा गया, जहां इस निजी विश्वविद्यालय ने अपनी प्रदर्शनी लगाई थी।

इस बात की पूरी संभावना है कि एआइ सम्मेलन में प्रदर्शित करने के लिए आए तमाम उत्पादों को मंजूरी पहले ही दी गई होगी। सवाल उठता है कि इस सम्मेलन में संस्थानों को जब अपने मौलिक एआइ उपकरणों को प्रस्तुत करने के लिए बुलाया गया होगा, तब गलगोटिया की ओर से लाए गए 'रोबोटिक डाग' और उसके बारे में बढ़-चढ़ किए गए दावों को लेकर आयोजकों की ओर से शुरू में ही जरूरी सवाल क्यों नहीं किए गए?

आज जब देश कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल करने की जमीन तैयार करने में लगा है, तो ऐसे में इस विवाद ने सम्मेलन में एक असहज स्थिति पैदा की। सवाल केवल किसी संस्थान की साख का नहीं, बल्कि देश की प्रतिष्ठा का है।

बदलते दौर में भू-राजनीतिक उथल-पुथल और अनिश्चितताओं के बीच भारत आर्थिक एवं रणनीतिक स्तर पर सहयोग बढ़ाने के लिए विभिन्न देशों के साथ साझेदारी को और व्यापक बनाने की राह पर आगे बढ़ रहा है। ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों के बाद भारत ने अब फ्रांस के साथ द्विपक्षीय संबंधों को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' में बदल दिया है। इसके तहत दोनों देशों ने रक्षा, व्यापार और निवेश समेत कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया है।

आधी आबादी का हक, न्यायिक व्याख्या और नारी गरिमा का प्रश्न

महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की सुनवाई और फैसले की दिशा इस बात पर निर्भर करती है कि न्यायालय में पीड़िता के पक्ष पर कितनी संजीदगी के साथ गौर किया गया। खासतौर पर हमारे देश में बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों के मामले में न केवल इस अपराध की प्रकृति, बल्कि उसका पीड़िता के मन-मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभावों को ध्यान में रखते हुए बेहद संवेदनशील रुख अपनाने की जरूरत होती है, लेकिन कई बार इन तकाजों को प्राथमिक नहीं माना जाता।मगर अब सर्वोच्च न्यायालय ने इस संदर्भ में एक जरूरी मानक सामने रखा है कि निचली अदालतों में बलात्कार के मामलों पर सुनवाई करते हुए कितना संवेदनशील होने की जरूरत है! गौरतलब है कि पिछले वर्ष मार्च में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने फैसले में एक नाबालिग लड़की पर यौन इरादे से शारीरिक बलप्रयोग को बलात्कार के प्रयास का अपराध नहीं माना और आरोपों को हल्का करार दिया। उस समय भी अदालत के रुख और उसकी टिप्पणियों पर तीखे सवाल उठे थे।अब सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, उससे एक बार फिर महिलाओं की गरिमा और अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायिक व्यवस्था के प्रति भरोसा मजबूत हुआ है। दरअसल, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने संबंधित मामले में बलात्कार से संबंधित कानून के प्रावधानों की विचित्र व्याख्या करके आरोपियों के प्रति जिस तरह नरम रुख अख्तियार किया था, वह अपने आप में न्याय की प्रक्रिया पर एक गंभीर सवाल था।खासतौर पर एक नाबालिग लड़की पर तीन युवकों के शारीरिक बलप्रयोग, बदतमीजी और उसकी गरिमा को चोट पहुंचाने की जिस स्तर पर अनदेखी की गई और आरोप की गंभीरता को कम किया गया, उस पर खुद सुप्रीम कोर्ट ने भी गहरी नाराजगी जताई थी। बीते वर्ष 25 मार्च को शीर्ष अदालत की पीठ ने साफ शब्दों में कहा था कि यह फैसला पूरी तरह से असंवेदनशील और अमानवीय नजरिए को दिखाता है, इसलिए इस पर रोक जरूरी है।

... शेष पृष्ठ एक का

नरोत्तम मिश्रा पर ईश्वर की कृपा होने से ही नवग्रह शक्ति पीठ का हुआ निर्माण : शंकराचार्य सदानंद सरस्वती

महोत्सव की समाप्ति की, जो श्रोताओं के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बन गई। उनके दिव्य दरबार ने लोगों के कष्टों का निवारण कर वातावरण को और भी श्रद्धामय बना दिया। इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक इंद्रेश उपाध्याय जी महाराज,साध्वी ऋतुंबरा जी,श्रीमलूकपीठाधीश्वर स्वामी श्री राजेंद्रदास जी महाराज , डॉ श्याम सुंदर पाराशर सहित राष्ट्रीय संत देवकीनंदन ठाकुर,रावतपुरा सरकार रवि शंकर महाराज, अयोध्या धाम के वैदेही बल्लभ महाराज, दंदरौआ धाम के रामदास जी महाराज, धूमेश्वर धाम के श्री अनिरुद्ध महाराज, पंडोखर सरकार गुरु शरण महाराज, अन्य संत कथावाचकों ने अपने आशीर्वचनों से पूरे दस दिन डबरा को धर्म कुंभ में बदल दिया।

इस धर्मगंगा में दस दिन तक भक्ति की ऐसी अविरल धारा बही, जो डबरा को एक नई धार्मिक नगरी की रूप में स्थापित कर गई।

शीर्षस्थ संतों के साथ दिग्गज नेताओं ने की शिरकत

संतों का आशीर्वाद

इस धर्म समागम में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, भा.ज.पा. प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, और कैलाश विजयवर्गीय जैसे प्रमुख राजनेताओं का आगमन हुआ। साथ ही प्रदेश सरकार के मंत्री राकेश सिंह, राव उदय प्रताप सिंह, इंदर सिंह परमार, करन सिंह वर्मा, तुलसी सिलावट, लखन पटेल, राकेश शुक्ला, और नारायण सिंह कुशवाह, प्रद्युम्न सिंह तोमर,सांसद भारत सिंह कुशवाह, पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा, पूर्व संगठन मंत्री हितानंद शर्मा इस कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्होंने संतों का आशीर्वाद लिया । अभिनेता आशुतोष राणा की मौजूदगी ने कार्यक्रम को और भी भव्यता दी। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के समापन में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री अजय जामवाल, पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव भी शामिल हुए।

सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बना

नवग्रह शक्ति पीठ महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं था, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बनकर उभरा। इसने न केवल डबरा बल्कि पूरे ग्वालियर क्षेत्र को धर्म, आस्था, और भक्ति का एक मजबूत संदेश दिया। डबरा को धर्ममय बनाने के साथ-साथ यह भव्य दिव्य समागम लोगों में एकजुटता और भाईचारे की भावना का प्रसार करने में सफल रहा। नवग्रह देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा, हवन मंत्रों की गूंज और संतों की दिव्य वाणी ने इस महाकुंभ को एक अद्वितीय अनुभव बना दिया। इसका प्रभाव आने वाले वर्षों तक रहेगा, क्योंकि यह न केवल एक धार्मिक महोत्सव था, बल्कि एक सांस्कृतिक जागरण की ऐतिहासिक मशाल था, जो सदा लोगों के दिलों में जीवित रहेगा।

नवग्रह शक्ति पीठ पर बनी दिवाली भव्य एवंआकर्षक आतिशबाजी का हुआ प्रदर्शन

डबरा। विश्व के अनोखे और इकलौते श्री नवग्रह शक्तिपीठ डबरा के अलौकिक धर्म कुम्भ एवं भव्य प्राण प्रतिष्ठा महा अनुष्ठान कार्यक्रम 11 फरवरी से 20 फरवरी को संम्पन्न हुआ। नवग्रह शक्ति पीठ पर 10 दिन चलने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के उपरांत भव्य ऐतिहासिक आतिशबाजी का आयोजन नवग्रह शक्ति पीठ पर श्याम 8 बजे किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक पूर्व ग्रहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, पूर्व मंडी अध्यक्ष मुकेश गौतम (बंटी), सहित सैकड़ो की संख्या में दर्शक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों द्वारा आतिशबाजी का भरपूर आनंद लिया गया।

इंटेंस और कड़क: 'टॉक्सिक' का टीज़र बना सिनेमाई तूफ़ान, रॉकिंग स्टार यश का अवतार देख रह जाएंगे दंग

मुंबई। 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित भारतीय फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स ने कई महीनों तक सस्पेंस बनाए रखा और दमदार विजुअल्स के जरिए दर्शकों की उत्सुकता लगातार बढ़ाई। पहले 'इंट्रोड्यूसिंग राया' नामक जन्मदिन स्पेशल झलक में रॉकिंग स्टार यश नजर आए, जिसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी। इसके बाद नयनतारा के किरदार 'गंगा ', कियारा अडवाणी की 'नादिया ', हुमा कुरैशी की 'एलिज़ाबेथ ', रुक्मिणी वसंत की 'मेलिसा' और तारा सुतारिया की 'रेबेका' के स्टाइलिश कैरेक्टर पोस्टर्स ने फिल्म के प्रति उत्साह को और बढ़ा दिया। अब आखिरकार फिल्म का आधिकारिक टीज़र रिलीज़ हो चुका है और यह सीधे निशाने पर लगा है।

टॉक्सिक का टीज़र एक विशाल और रंगीन, फिर भी बेरहम सिनेमाई दुनिया की झलक देता है। कभी सर्कस का सेटअप, तो कभी ईस्ट एशियन टच वाला बैकड्रॉप, कहानी अलग-अलग दौर में घूमती है, जहाँ हर फ्रेम में अंधेरा और एजडी वाइब्स हैं। लेकिन इस विजुअल धमाके के पीछे सिर्फ एक्शन नहीं, बल्कि गहरी कहानी और दमदार दौड़ने की धड़कन साफ सुनाती है।

इस सिनेमाई तूफान के बीचों-बीच खड़े हैं रॉकिंग स्टार यश और इस बार उनका ट्रांसफॉर्मेशन पूरी तरह से नया जन्म जैसा है। कभी दुबला, फुर्तीला सिल्हूट तो कभी युद्ध में तपकर बना विशाल और सख्त बदन, हर लुक उनके जबरदस्त अनुशासन और मेहनत की कहानी कहता है।

लेकिन बात सिर्फ शरीर की नहीं है। यश हर अवतार में अलग बॉडी लैंग्वेज, तीखे हाव-भाव और गहरी परतों वाला अभिनय लेकर आते हैं। यह दौड़ उनके पिछले किरदारों से बिल्कुल अलग, एक नई दिशा की ओर इशारा करती है। अब तक की जर्नी में ऐसा रूप पहले कभी नहीं देखा गया, या यूँ कहें कि यह सुपरस्टार के लिए एक बोल्ड और फ्रेश चैप्टर है।

टीज़र रिलीज़ के साथ मेकर्स ने एक सीधी लेकिन हाई-वोल्टेज चेतावनी दीः 'इट्स गॉना गेट क्रेज़ीय्य्य।.' और जो स्केल और रॉ एनर्जी अभी दिखी है, उसे देखकर 19 मार्च 2026 अब सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि एक वादा लग रही है कि टॉक्सिक की दुनिया पागलपन की हदें पार करने वाली है।

ये टीज़र कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम - पाँचों भाषाओं में धूम मचा रहा है।

https://youtu.be/cXymbHUz i - U ? s i = R J B z P - zvOvyoNY}z

यश और गीतू मोहनदास की कलम से निकली और गीता मोहनदास के निर्देशन में सजी टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स को एक साथ कन्नड़ और इंग्लिश में शूट किया गया है। इसके डब वर्जन हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम जिसमें कई भाषाओं में रिलीज होंगे, यानी फिल्म का असर सीधा ग्लोबल स्टेज पर है। वेंकट के. नारायण और यश द्वारा केवीएए प्रोडक्शंस व मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी टॉक्सिक 19 मार्च 2026 को सिनेमा में दस्तक देगी।

पुष्पा अपने सबसे बड़े डर का सामना करती है जब पन्नू एक भयानक हादसे का शिकार हो जाता है, सोनी सब के 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में

मुंबई। सोनी सब का शो पुष्पा इम्पॉसिबल अब एक बेहद भावुक और रोमांचक मोड़ पर पहुँच गया है। पुष्पा की ज़िंदगी एक बार फिर ऐसे हादसे से हिल जाती है, जिसकी उसने कभी कल्पना भी नहीं की थी। हमेशा मुश्किलों के सामने मज़बूती से खड़ी रहने वाली पुष्पा (करुणा पांडे) इस बार ऐसे इम्तिहान से गुज़र रही है, जहाँ उसकी ताकत ही नहीं बल्कि उसकी इंसानियत भी परखी जाएगी। किस्मत उसे और पन्नू (पूजा खतरड़े) को ऐसे हालात में ले आती है, जहाँ से वापसी नामुमकिन लगती है।

महाशिवरात्रि की रात श्रद्धा और भक्ति से शुरू होती है, लेकिन अचानक ज़िंदगी करवट बदल लेती है। टिटली (भूमि रामोला) को गंभीर दिल की बीमारी का पता चलता है और उसे तुरंत हार्ट ट्रांसप्लांट की ज़रूरत होती है। परिवार टिटली को सच्चाई से दूर रखते हुए उसे हिम्मत देता है और चिराग (नितिन बाबू) को उसके कैरम सफर पर ध्यान देने के लिए प्रेरित करता है ताकि टिटली का मनोबल बना रहे। इसी बीच, कदंबरी (बृंदा त्रिवेदी) का जेल से भागना सबके दिलों में डर पैदा कर देता है, क्योंकि

उसका खतरा अब पुष्पा पर पहले से कहीं ज़्यादा मंडरा रहा है। और इसी तनाव के बीच अचानक पन्नू (पूजा खतरड़े) का भयानक हादसा हो जाता है, जिससे पुष्पा की दुनिया पूरी तरह हिल जाती है।

क्या पुष्पा समय रहते पन्नू को बचा पाएगी... या फिर तक़दीर ने उसके लिए कुछ और ही लिखा है?

करुणा पांडे, जो पुष्पा का किरदार निभा रही हैं, कहती हैं, 'एक्टर होने के नाते हम ड्रामेटिक सीन के लिए तैयार रहते हैं, लेकिन जब ऐसे सीन आते हैं तो दिल को अलग ही तरह से छूते हैं। जब मैंने पन्नू के हादसे वाला सीन पढ़ा, तो मेरी पहली प्रतिक्रिया पुष्पा के तौर पर नहीं बल्कि एक माँ के तौर पर थी। अपने बच्चे को खतरे में देखना और यह न जानना कि आप उसे बचा पाएंगे या नहीं–यह बेहद डरावना अहसास है। उस बेबसी, उस डर और फिर भी माँ के भीतर उठने वाली ताकत को मैंने पकड़ने की कोशिश की। पुष्पा पहले ही टिटली की नाजुक हालत और परिवार पर मंडराते ख़तरे से जूझ रही है। और फिर अचानक पन्नू का हादसा उसकी दुनिया को पूरी तरह हिला देता है। हम कलाकार अक्सर अपने निजी डर और परिवार के प्रति प्यार से प्रेरणा लेते हैं, और शायद यही इन दृश्यों को इतना असरदार बनाता है। '

देखिए पुष्पा इम्पॉसिबल, हर सोमवार से शनिवार रात 9:30 बजे, सिर्फ़ सोनी सब पर।

योगी आदित्यनाथ ने 'शतक' की सराहना करते हुए कहा, 'आरएसएस की 100 वर्षों की यात्रा पर बनी यह फिल्म एक प्रेरणादायी पहल है '

यूपी/एमपी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर फिल्म निर्माता वीर कपूर से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्षों की प्रेरणादायी यात्रा पर आधारित फिल्म 'शतक-संघ के 100 वर्ष' को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस मुलाकात से जुड़ी तस्वीर भी उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर साझा कीं।

मुख्यमंत्री ने फिल्म की सराहना करते हुए 'शतक' की पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा, 'ऐसी फिल्में समाज को संगठन के इतिहास, उसके मूल विचारों और राष्ट्र निर्माण में उसके योगदान से परिचित कराती हैं। 'फिल्म निर्माता वीर कपूर ने मुख्यमंत्री को फिल्म के निर्माण से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह फिल्म संघ की 100 वर्षों की यात्रा, उसके वैचारिक आधार और समाज सेवा के विभिन्न कार्यों को दर्शाती है। भेंट के दौरान फिल्म का पोस्टर भी प्रस्तुत किया गया। यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद किसानों ने कलेक्टर को सौंपा गन्ना उगाने का सहमति पत्र

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। एक समय क्षेत्र की समृद्धि की निशानी माना जाने वाला सहकारी शक्कर कारखाना अब शीघ्र शुरू होने के आसार नजर आने लगे हैं। इस विषय पर अभी तक चल रही राजनैतिक लड़ाई का भी लगभग विराम माना जा रहा है। पिछले दिनों प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री द्वारा क्रमशः किसान गन्ना उगायें तो हम कारखाना चालू करने को तैयार की गई घोषणाओं के बाद अब क्षेत्र के लगभग तीन सैकडा से अधिक किसानों ने लगभग 1 हजार बीघा जमीन में गन्ना उगाने का सहमति पत्र जिलाधीश मुरेना एवं उपसंचालक कृषि को सौंपा है। गन्ना उत्पादन के लिए क्षेत्रीय किसान कारखाना शेयर होल्डर एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की

गठित समिति द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सघन संपर्क अभियान चलाकर किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। समिति द्वारा पिछले दिनों हुई बैठक में कारखाना चालु किए जाने के लिए गैर राजनीतिक रूप से शासन प्रशासन से संवाद जारी रखने एवं किसानों को गन्ना उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किये जाने का निर्णय लिया था। इसी क्रम में समिति की ओर से किसानों द्वारा गन्ना उत्पादन के लिए दिया गया सहमति पत्र एवं गन्ना किसानों को घोषणा के मुताबिक अच्छी किस्म का गन्ना बीज,अन्य उपकरण एवं अनुदान मुहैया कराने का मांग पत्र जिलाधीश लोकेश जांगिड़ को सौंपा।

कलेक्टर जांगिड़ ने दिया आश्वान

गन्ना उत्पादन प्रोत्साहन समिति के प्रतिनिधि मंडल द्वारा सौंपे गए ज्ञापन लेटे हुए जिलधीश लोकेश जांगिड ने आश्वासन देते हुए कहा कि कारखाना अवश्य शुरू होना चाहिए। मैं ममले को देखूंगा और जो भी अवश्यक कार्यवाही करूंगा। जिलाधीश से मिलने वाले प्रतिनिधि मंडल में लक्ष्मी नारायण त्यागी बुडहैरा,निहाल सिंह धाकड़ धूर कूड़ा ,जगदीश शुक्ला जौरा ,ब्रजमोहन मरैया कैलारस नागेश शर्मा जापथाप, राकेश अवस्थी कुंअरपुर, सुनील त्यागी,उपेंद्र गुर्जर उदयपुरा, राजू गुर्जर माधौपुरा आदि शामिल रहे।

नगर निरीक्षक सत्येंद्र कुशवाहा का कैलारस स्थानांतरण, थाना परिसर में दी भावभीनी विदाई

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। नगर निरीक्षक सत्येंद्र कुशवाहा का स्थानांतरण कैलारस कर दिया गया है। वहीं कैलारस से नगर निरीक्षक वीरेश कुशवाहा को अंबाह थाना में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्थानांतरण आदेश जारी होने के बाद शुक्रवार दोपहर लगभग 2:00 बजे अंबाह थाना परिसर में एक गरिमामय एवं भावनात्मक विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में थाना स्टाफ, पुलिसकर्मी, सामाजिक प्रतिनिधि तथा रिटायर्ड फौजियों ने भाग लिया। सभी ने नगर निरीक्षक सत्येंद्र कुशवाहा के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके सौम्य स्वभाव, कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासनप्रिय कार्यशैली की प्रशंसा की। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में कानून-व्यवस्था को

सुदृढ़ बनाए रखने के साथ-साथ जनसुनवाई और समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान दिया। उनके नेतृत्व में थाना क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कार्रवाइयाँ की गईं, जिससे अपराध नियंत्रण में सकारात्मक परिणाम देखने को मिले।

उपस्थित नागरिकों ने कहा कि सत्येंद्र कुशवाहा ने पुलिस और आमजन के बीच विश्वास का वातावरण मजबूत किया। उन्होंने संवाद और समन्वय की नीति अपनाकर समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लेकर काम किया। किसी भी संवेदनशील मामले में उनकी तत्परता और निष्पक्षता ने लोगों का भरोसा जीता। रिटायर्ड फौजियों और वरिष्ठ नागरिकों ने भी उनके सहयोगी रवैये को याद करते हुए कहा कि वे सदैव जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देते थे।

समारोह के दौरान कई वक्ताओं ने भावुक शब्दों में उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पुष्पमालाएं पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया। वातावरण में एक ओर विदाई की भावुकता थी तो दूसरी ओर उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाओं की ऊर्जा भी दिखाई दी। अपने संबोधन में सत्येंद्र कुशवाहा ने अंबाह की जनता, सहयोगी अधिकारियों और पुलिस स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यहां मिला सहयोग और स्नेह वे हमेशा याद रखेंगे। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे नई पदस्थापना पर भी पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ दायित्वों का निर्वहन करेंगे।समारोह का समापन सामूहिक शुभकामनाओं और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

जागरूकता रैली का हुआ आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। जवाहर नवोदय विद्यालय के तत्वाधान में मानपुर गांव में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात

दिवसीय शिविर के दूसरे दिन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। नवोदय विद्यालय की बच्चों द्वारा मानपुर गांव में 20 फरवरी को जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के बच्चे ग्रामीणों को साफ-सफाई के लिए प्रेरित कर रहे थे। रैली के बाद श्रमदान भी किया गया। ग्रामीणों को यह भी समझाया गया कि बेटा एवं बेटी की शादी बालिक होने पर ही करें। कम उम्र में शादी होने पर तमाम परेशानियां भी होती हैं, वहीं ग्रामीणों द्वारा भी बच्चों को ग्रामीण परिवेश की कई महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत भी कराया गया। इसी क्रम में आदर्श ग्राम की एक संवाद पर चर्चा का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रभारी रामलखन सिंह के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम के तहत प्राथमिक विद्यालय में बच्चों की कक्षाएं भी ली गई। स्वयंसेवक मुकेश कुलश्रेष्ठ, विजय कुमार, कपिल सिंह, जगन्नाथ द्वारा छात्रों को सामाजिक उत्थान प्रेरणादायक उद्बोधन देकर लाभान्वित भी किया गया। बच्चों द्वारा गांव की गली, सड़कों पर साफ-सफाई की गई। झाड़ू भी लगाया गया।

करियर को लेकर बच्चों को दी महत्वपूर्ण जानकारी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। जवाहर नवोदय विद्यालय में करियर को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी से बच्चों को अवगत कराया गया। पुस्तकालय

प्रभारी श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में जवाहर नवोदय विद्यालय की कक्षा 9 से 12 तक की बच्चों को सृष्टि रिछारिया द्वारा करियर को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। प्राचार्य ने बच्चों को साइंस, कॉमर्स, लॉ सहित अन्य विषयों की बारीकी जानकारी देते हुए करियर में सफलता पाने के टिप्स दी गई। सृष्टि रिछारिया का बच्चों से यह भी कहना था कि करियर में आगे बढ़ाने के लिए एकाग्रचित होकर अध्यापन कार्य करें तो सफलता आपको निश्चित मिलेगी जो भी विषय अपने बस मेहनत से आप अपना करियर बना सकते हैं।

एक अन्य कार्यक्रम में कक्षा 6 से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं के लिए किताबों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। बच्चों अपनी मनपसंद और किताबें देखी और खरीदी भी गई। दोनों कार्यक्रम में प्राचार्य श्रीमती वंदना कुलश्रेष्ठ, उप प्राचार्य राजेश कुमार तिवारी, आशुतोष तिवारी, शैलेष दिक्षित, श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव, विपुल कुमार, श्रीमती गीता तोमर सहित अन्य विद्यालय स्टाफ भी उपस्थित रहा।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर नेपाल की संस्था द्वारा डॉ. राकेश कुमार शर्मा मातृभाषा रत्न सम्मान से सम्मानित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

काठमांडू। मुरैना के सुप्रसिद्ध पर्यावरणविद, समाजसेवक एवं शिक्षाविद् डॉ. राकेश कुमार शर्मा को नेपाल की राजधानी काठमांडू में ऑनलाइन मातृभाषा रत्न अंतर्राष्ट्रीय मानद उपाधि सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर प्रदान किया गया। यह गरिमामयी सम्मान नेपाल की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउंडेशन नेपाल द्वारा प्रदान किया गया। समारोह का उद्देश्य नेपाल-भारत मैत्री विकास, देवनागरी लिपि के संरक्षण एवं संवर्धन, हिंदी-नेपाली जैसी मैत्री भाषाओं के वैश्विक प्रचार-प्रसार के साथ-साथ देश-विदेश के कवि, लेखक, साहित्यकार एवं शिक्षकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करना रहा।

इस अवसर पर नेपाल, भारत सहित पाँच देशों की लगभग एक हजार साहित्यिक एवं शैक्षिक प्रतिभाओं को मातृभाषा रत्न मानद उपाधि तथा

नेपाल में आॅनलाइन मातृभाषा रत्न अंतर्राष्ट्रीय मानद उपाधि सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर प्रदान किया गया। यह गरिमामयी सम्मान नेपाल की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउंडेशन नेपाल द्वारा प्रदान किया गया। समारोह का उद्देश्य नेपाल-भारत मैत्री विकास, देवनागरी लिपि के संरक्षण एवं संवर्धन, हिंदी-नेपाली जैसी मैत्री भाषाओं के वैश्विक प्रचार-प्रसार के साथ-साथ देश-विदेश के कवि, लेखक, साहित्यकार एवं शिक्षकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करना रहा।

मातृभाषा गौरव सम्मान से अलंकृत किया गया। इसी क्रम में डॉ.राकेश कुमार शर्मा को उनके उल्लेखनीय साहित्यिक, शैक्षिक एवं सामाजिक योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र (सर्टिफिकेट) प्रदान कर सम्मानित किया गया। डॉ. शर्मा के साथ ही चार देश की एक हजार प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया है, जिसमें से 17 वर्ष की नव प्रतिभा से लेकर 86 वर्ष के अग्रजों का सम्मान किया गया है। डॉ. राकेश कुमार शर्मा मुरैना के चर्चित शिक्षिक, समाजसेवी एवं साहित्यिक में रूचि रखते हैं। वे विभिन्न साहित्यिक एवं सामाजिक संस्थाओं से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं और इससे पूर्व भी उन्हें अनेक प्रतिष्ठित राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।

सम्मान अवसर पर संस्था के अध्यक्ष आनन्द गिरि मायालु ने बधाई देते हुए कहा कि शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउंडेशन का उद्देश्य प्रतिभाशाली रचनाकारों को प्रोत्साहित कर उनमें नव ऊर्जा का संचार करना है। उन्होंने कहा कि डॉ. राकेश शर्मा जैसे लोकप्रिय शिक्षिक एवं संवेदनशील व्यक्तित्व का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित होना अत्यंत गौरव का विषय है। उनके द्वारा किये गए कार्य समाज को सकारात्मक दिशा और प्रेरक संदेश देते हैं। डॉ.राकेश कुमार शर्मा के इस सम्मान की सूचना मिलते ही साहित्यिक जगत में हर्ष का वातावरण है। उनके शुभचिंतकों, मित्रों एवं साहित्यप्रेमियों ने उन्हें बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

आजीवन सहयोग निधि का लक्ष्य पूर्ण हुआ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा जौरा का आजीवन सहयोग निधि लक्ष्य पूरा होने पर जिला अध्यक्ष कमलेश कुशवाहा द्वारा प्रभारी मनोज सिंह सिकरवार को धन्यवाद ज्ञापित किया। वरिष्ठ नेतृत्व के निर्देश पर भारतीय जनता पार्टी का आर्थिक सूचना एवं स्वावलंबन हेतु समर्पण निधि आजीवन सहयोग निधि का लक्ष्य प्रत्येक विधानसभा को दिया गया था। वर्ष 2026 के लिए दिए गए लक्ष्य का जौरा विधानसभा में शत प्रतिशत पूर्ण होने पर जहां जिला अध्यक्ष कमलेश कुशवाहा ने मनोज सिंह सिकरवार को धन्यवाद दिया, वहीं मनोज सिंह ने इस पुनीत कार्य में सहयोग प्रदान करने वाले सभी मंडल अध्यक्षगण, वरिष्ठनजन एवं पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार भी मनोज सिंह ने व्यक्त किया है। उनका यह भी कहना है कि पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही यहां टारगेट पूरा हुआ है। प्रत्येक चुनाव में कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही पार्टी को सफलता मिलती है। पार्टी के कार्यकर्ता विधायक सांसद बनते हैं, इसलिए हम सभी पार्टी के कार्यकर्ताओं को धन्यवाद भी देते हैं।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने पीएम व सीएम का पुतला जलाया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री राजेंद्र शुक्ला, विजय शाह, कैलाश विजयवर्गीय के पुतले का दहन किया गया। 20 फरवरी को झंडा चौक तहसील चौराहे पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षगण रामहेत त्यागी, मुरारीलाल अमर के नेतृत्व में दीपक यादव, अभिषेक जैन, रानू मिश्रा, दिलीप जैन, नरेंद्र त्यागी, पवन कटारे, प्रमोद शर्मा, दिनेश शर्मा, विजय जैन, मातरम शर्मा, ओमप्रकाश सकलेचा, बनवारी शाक्य सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री सहित अन्य भाजपा नेताओं के विरुद्ध मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए पुतले का दहन किया गया। कांग्रेसियों का कहना था कि वरिष्ठ कांग्रेसी नेता उमंग सिंगार के साथ भाजपा के नेताओं द्वारा अभद्र व्यवहार किया गया है, जो पूरी तरह से निंदनीय है। वहीं इंदौर में निर्देश लोगों की मौत की जिम्मेदार भाजपा सरकार को रहने का अधिकार नहीं है। कैलाश विजयवर्गीय जैसे वरिष्ठ नेता अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। वहीं विजय शाह, राजेंद्र शुक्ला जैसे वरिष्ठ सीनियर मंत्री भी अभद्र शब्द बोल रहे हैं, जिसका कांग्रेस पार्टी पुरजोर विरोध कर रही है।

भोपाल में अनूठा आयोजन, 100 घंटे क्रिकेट खेलेंगे दिव्यांगजन

22 से 26 फरवरी तक होगा राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट का आयोजन

- डॉ. प्रनीता भारतीय शिवहरे -

भोपाल। राजधानी में पहली बार देशभर के दिव्यांगजन लगातार 100 घंटे क्रिकेट खेलकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस अनूठा आयोजन का उद्घाटन 22 फरवरी को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सुबह 10 बजे नेहरू नगर भौंरी स्थित पुलिस स्टेडियम में करेंगे। 26 फरवरी तक होने वाले इस आयोजन में मध्यप्रदेश समेत देश के 8 राज्यों के दिव्यांग शामिल हो रहे हैं। इस खेल महोत्सव का आयोजन कुशाभाऊ ठाकरे न्यास, टास्क इंटरनेशनल समेत अन्य संस्थाएं कर रही है। इस गिनीज, लिमका तथा एशिया बुक ऑफ रिकार्ड के

प्रतिनिधियों के समक्ष प्रदर्शन होगा।

यह जानकारी राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट खेल महोत्सव के कार्यक्रम संयोजक डॉ राघवेंद्र शर्मा ने पत्रकार वार्ता में दी। इस अवसर पर दिव्यांगजन आयुक्त डॉ अजय खेमरिया भी मौजूद रहे। डॉ शर्मा ने बताया कि दिव्यांगजन दया के नहीं, अवसर के पात्र है। इस आयोजन के माध्यम से दिव्यांगों को आत्म सम्मान, आत्मनिर्भरता और सामाजिक चेतना का सशक्त संदेश देने का प्रयास है।

बता दें कि श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे की जन्म शताब्दी वर्ष मनाई जा रही है। इसलिए हम इस महोत्सव के जरिए 100 घंटे निरंतर क्रि केट खेलने का ऐतिहासिक आयोजन कर रहे हैं। इस बेहद विलक्षण और प्रेरणादाई कार्यक्रम के नेतृत्वकर्ता तथा प्रेरक कार्यक्रम संयोजक, डॉ. राघवेंद्र शर्मा पिछले लगभग 20 वर्षों से दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण एवं सामाजिक सहभागिता के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उनके नेतृत्व में यह महोत्सव खेल के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन और नई सामाजिक चेतना का संदेश देगा।

इस महोत्सव का ये रहेगा आकर्षण

- खेल महोत्सव में 8 राज्य उत्तर प्रदेश, हरियाणा, बिहार, दिल्ली आदि के अलावा मध्यप्रदेश के साथ ही स्थानीय दिव्यांगजन भी क्रिकेट खेलेंगे। - प्रत्येक मैच आईपीएल तर्ज पर 4-4 घंटे का होगा। इसमें दो तरह के बॉल होंगे, जिसमें एक अंधे दिव्यांगों के लिए आवाज वाली गेंद तथा अन्य दिव्यांगों के लिए क्वार्क बॉल होगा। - पहली बार जमीन पर बैठकर चलने वाले दिव्यांग भी क्रिकेट खेलेंगे। इसके अलावा दिव्यांगों की क्षमतानुसार खेल होंगे। इसमें व्हीलचेयर, अंधे, मानसिक रूप वाले बच्चे, युवा और महिला-पुरुष खिलाड़ी अपना प्रदर्शन करेंगे। - खेल का कवरेज करने गिनीज, लिमका और एशिया बुक ऑफ रिकार्डस के प्रतिनिधि आ रहे हैं। सुबह 10 बजे सीएम डॉ यादव के उद्घाटन के बाद दोपहर 2 बजे तक बिना रुके बिना थके दिन-रात लगातार 100 घंटे तक 26 फरवरी तक खेल चलेगा।

स्पॉन्सरशिप योजना के लंबित प्रकरणों का अभियान चलाकर कराएं निराकरण: कलेक्टर

-कलेक्टर ने किशोर न्याय बोर्ड एवं बाल कल्याण समिति कार्यालय का किया निरीक्षण

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने आज किशोर न्याय बोर्ड एवं बाल कल्याण समिति कार्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अतिरिक्त कक्ष, कार्यालय, परामर्श कक्ष, मजिस्ट्रेट कक्ष, सभा कक्ष एवं वीडियो कॉन्फ्रेंस कक्ष सहित विभिन्न कक्षों का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को विधिवत एवं सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा एवं त्वरित न्याय प्रशासन की प्राथमिकता है तथा सभी विभाग समन्वय से कार्य करें।

कलेक्टर ने किशोर न्याय बोर्ड अंतर्गत संचालित स्पॉन्सरशिप योजना के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि लंबित मामलों की सूची तैयार कर बाल विकास परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के सुपरवाइजर तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से विशेष अभियान चलाकर एक माह में निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

इस दौरान कलेक्टर ने जनवरी माह में प्राप्त प्रकरणों की जानकारी अधिकारियों ने बताया कि जनवरी माह में कुल आठ प्रकरण प्राप्त हुए हैं, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही जारी है। कलेक्टर ने प्रकरणों की स्थिति, संचालित गतिविधियों एवं कार्यालय में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने जागरूकता पोस्टरों का अवलोकन कर निर्देशित किया कि नगर पालिका से समन्वय स्थापित कर इन्हें प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर प्रदर्शित किया जाए, ताकि बाल कल्याण एवं संरक्षण संबंधी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंच सके। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष बाल कल्याण समिति मोहनलाल पटेल, जिला परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग विनोद परस्ते सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मृत भालू के नाखून काटने के तीन आरोपी सामग्री मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार

अनूपपुर। अनूपपुर नगर से 10 किलोमीटर दूरी स्थित लखनपुर गांव के जंगल में 15 दिन पूर्व मृत भालू के शरीर से नाखून काटकर ले जाने वाले तीन आरोपियों को वन विभाग द्वारा नाखून,टांगिया एवं मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार न्यायालय में पेश किया।

घटना के संबंध में वन परिक्षेत्र अधिकारी अनूपपुर स्वर्ण गौरव सिंह ने बताया कि 19 फरवरी की रात मुखबिर से सूचना मिलने पर वन परिक्षेत्र अनूपपुर के अगरियानार बीट अंतर्गत लखनपुर गांव से लगे जंगल में पत्थरों की गुफा के नीचे वन्यप्राणी भालू विगत 15 दिनों के लगभग से प्राकृतिक कारणों से मृत स्थिति में रहा जिसके शरीर के अंगों को जंगली जानवरों द्वारा खा कर जंगल में ले गए रहे इसी बीच लखनपुर गांव के कुछ लोगों को भालू के मृत में पड़े होने की सूचना पर आरोपियों द्वारा भालू के एक पैर के नाखून टांगी से काट कर एवं भालू के बाल को अपने साथ ले गए रहे मुखबिर से घटना की सूचना मिलने पर वन मंडलाधिकारी अनूपपुर डेविड ब्यंकटराव चनाप,एसडीओ वन अनूपपुर प्रीतेश पखाले को जानकारी दिए जाने एवं वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर खोजबीन करने दौरान तीन आरोपी जगदीश पिता जयसिंह नायक 48 वर्ष,राजेंद्र पिता जेठू कोल 35 वर्ष दोनों निवासी घोघराटोला एवं दीप नारायण पिता मोतीलाल कोल 43 वर्ष निवासी लखनपुर तीनों कोतवाली थाना अनूपपुर के द्वारा मृत भालू के नाखूनों एवं बाल को काटकर अपने साथ ले जाने पर पूछताछ कर काटे गये नाखून,नाखून काटने वाला औजार टांगी एवं एक प्लेंटीना मोटरसाइकिल जप्त कर आरोपियों के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण क्रमांक 4902/24 वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम के विभिन्न धाराओं के तहत कार्यवाही करते हुए आरोपियों को गुरुवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

इस दौरान डांग स्कार्ट से स्थल का परिक्षण कराते हुए आरोपियों की खोजबीन की गई तथा पशु चिकित्सक सचिन समैया से मृत भालू के शव का परीक्षण/निरीक्षण कराया गया,वन अपराध की कार्यवाही में परिक्षेत्र सहायक अनूपपुर विजय कुमार सोनवानी,परिक्षेत्र सहायक किरर रिचर्ड रेगी राव कार्य,वनपाल जगत सिंह मसराम,वन्यजीव संरक्षक अनूपपुर शशिधर अग्रवाल,वनरक्षक लोमन प्रसाद बैगा,हरिनारायण पटेल,राजीव पटेल, नर्मदा पटेल, अखिलेश सिंह, दिनेश रौतेल, मोह, रहीस खान, रामसखी पटेल, उमा बैगा ने उल्लेखनीय भूमिका अदा की हैं।

शादी का झांसा देकर नवयुवती का शारीरिक शोषण का आरोपी कोतवाली पुलिस ने दबोचा

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एस.डी.ओ.पी. नवीन तिवारी के मार्गदर्शन में कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा 19 वर्षीय नवयुवती को शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने के अपराध में आरोपी शिवम महरा निवासी ग्राम हथगला थाना बुढार जिला शहडोल को गिरफ्तार किया गया है। थाना कोतवाली अनूपपुर क्षेत्रान्तर्गत निवासी 19 वर्षीय नवयुवती द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि शिवम महरा निवासी ग्राम हथगला जिला शहडोल

ने मित्रता की और शादी करने का विश्वास दिलाकर पिछले एक साल से शारीरिक शोषण किया जा रहा है। जो उक्त रिपोर्ट पर तत्काल अपराध क्रमांक 105/26 धारा 69 बी.एन.एस. पंजीबद्ध किया जाकर टी. आई. कोतवाली निरीक्षक अरविन्द जैन के नेतृत्व में उपनिरीक्षक सरिता लकड़ा, प्रधान आरक्षक शेख रसीद , आरक्षक अब्दुल कलीम की टीम के द्वारा आरोपी शिवम महरा पिता विजय महरा उम्र 21 साल निवासी ग्राम हथगला थाना बुढार जिला शहडोल को गिरफ्तार किया गया है।

श्री माँ नर्मदा परिक्रमा हेतु स्वामी धर्मानंद जी महाराज का अमरकंटक से शुभ प्रस्थान

दोपहर 12 बजे विशेष पूजन, कन्या पूजन एवं संत भंडारे के साथ भक्तिमय वातावरण में आरंभ हुई पावन यात्रा

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर/अमरकंटक। पावन पवित्र पुण्यभूमि श्री नर्मदा मंदिर उद्गम स्थल से आज फाल्गुन शुक्ल पक्ष तृतीया उत्तराभाद्र नक्षत्र दिन शुक्रवार से श्री नर्मदा परिक्रमा का शुभारंभ अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और वैदिक विधि-विधान के साथ श्री कल्याण सेवा आश्रम के स्वामी धर्मानंद जी महाराज ने माँ नर्मदा जी की परिक्रमा का विधिवत संकल्प लेकर पावन यात्रा के लिए प्रस्थान किया।

मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी थी। भजन-कीर्तन, शंखनाद और 'नर्मदे हर' के जयघोष से संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण हो गया। दूर-दूर से आए भक्तों ने मां नर्मदा के दर्शन कर परिक्रमा के इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने।

दोपहर 12 बजे संपन्न हुआ विशेष वैदिक पूजन

दोपहर ठीक 12:00 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य विशेष पूजन-अर्चन एवं अभिषेक संपन्न हुआ। श्री नर्मदा मंदिर के विद्वान पुजारियों द्वारा शास्त्रोक्त विधि से माँ नर्मदा का पंचामृत अभिषेक, पुष्पार्चन एवं महाआरती की गई।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से पंडित नंदन द्विवेदी, पंडित कमलेश द्विवेदी, पंडित रुपेश द्विवेदी,पंडित हर्ष द्विवेदी सहित अन्य पुजारीगण उपस्थित रहे। सभी ने विधिवत संकल्प कराते हुए स्वामी धर्मानंद जी महाराज को तिलक कर आशीर्वाद प्रदान किया तथा परिक्रमा की निर्विघ्न एवं सफल पूर्णता की मंगलकामना की।

पूजन के उपरांत स्वामी धर्मानंद जी महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि नर्मदा परिक्रमा आत्मअनुशासन, तप और समर्पण की सर्वोच्च साधना है। माँ नर्मदा की कृपा से साधक को मानसिक शांति, आध्यात्मिक उन्नति एवं नई ऊर्जा की प्राप्ति होती है।

कन्या पूजन एवं संतों के लिए लघु भंडारा

विशेष पूजन के पश्चात कन्या पूजन का आयोजन किया गया। बालिकाओं का विधिवत पूजन कर उन्हें प्रसाद एवं दक्षिणा प्रदान की गई। इसे सनातन परंपरा में देवी स्वरूपा कन्याओं का सम्मान माना जाता है।

इसके पश्चात संत समाज के लिए एक लघु भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें संतों एवं श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में सेवा भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी और सभी ने मिलकर भक्ति एवं सद्भाव का परिचय दिया।

संत समाज एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति

इस पावन अवसर पर श्री कल्याण सेवा आश्रम के संतगण–स्वामी हरस्वरूप जी महाराज, स्वामी नर्मदानंद जी महाराज, ब्रह्मचारी मनीष जी, स्वामी सुंदरानंद जी महाराज तथा उमाशंकर पांडेय सहित अनेक श्रद्धालु एवं नागरिक बंधुवर उपस्थित रहे।

संतों एवं भक्तों ने पुष्पवर्षा कर स्वामी धर्मानंद जी महाराज का अभिनंदन किया। भावभीनी विदाई के साथ परिक्रमा यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी गईं। मंदिर परिसर 'नर्मदे हर' और 'हर हर महादेव' के जयघोष से गुंजायमान रहा।

माँ नर्मदा परिक्रमा का आध्यात्मिक महत्व

धार्मिक मान्यता है कि माँ नर्मदा के दर्शन मात्र से पुण्य की प्राप्ति होती है।पुराणों के अनुसार नर्मदा का संबंध भगवान भगवान शिव की तपस्या से माना गया है, इसलिए नर्मदा परिक्रमा को अत्यंत पुण्यदायी साधना का स्थान प्राप्त है। लगभग तीन हजार किलोमीटर की यह परिक्रमा तप, त्याग, संयम और आस्था का अद्भुत संगम है। साधक एक तट से यात्रा प्रारंभ कर दूसरे तट से लौटते हैं और पूरे मार्ग में नियमों का कठोर पालन करते हैं। नर्मदा परिक्रमा भारतीय सनातन संस्कृति की महान आध्यात्मिक परंपरा है, जो व्यक्ति को आत्मबल, धैर्य और श्रद्धा की शक्ति प्रदान करती है।

आज होगा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन

अनूपपुर। मध्यप्रदेश शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के निर्देशों के पालन में कलेक्टर हर्षल पंचोली द्वारा जिले में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रमों की तिथियां निर्धारित की गई हैं।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 21 फरवरी 2026 को जनपद पंचायत अनूपपुर के सामुदायिक भवन प्रांगण बदरा में सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में नगरपालिका परिषद कोतमा, नगरपालिका परिषद बिजुरी, नगरपालिका परिषद पसान, नगर परिषद बनगंवा (राजनगर), डोला, डूमर कछार सहित जनपद पंचायत अनूपपुर एवं जनपद पंचायत कोतमा के ग्राम पंचायतों के वर-वधु सम्मिलित होंगे।

जीव दया कार्यक्रम के तहत गौसेवा, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ने खिलाया चारा, गुड़ व आटा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। जीव दया और करुणा की भावना को आत्मसात करते हुए दिगंबर जैन सोशल ग्रुप अंबाह द्वारा शुक्रवार सुबह परेड चौराहे पर स्थित छत्रपाली गौशाला में विशेष गौसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने गौशाला पहुंचकर वहां रह रही विकलांग एवं असहाय गायों को चारा, गुड़ और आटा खिलाया तथा उनके स्वास्थ्य और देखभाल की जानकारी भी ली।

कार्यक्रम महेश चंद जैन (एमपीईबी) एवं संजीव जैन 'बिल्लू' के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। दोनों समाजसेवियों ने कहा कि जीव दया जैन धर्म का मूल आधार है और गौसेवा सबसे बड़ा पुण्य कार्य माना गया है। उन्होंने बताया कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर गौशालाओं में पहुंचकर सहयोग करना चाहिए, जिससे निराश्रित एवं घायल गौवंश को बेहतर देखभाल मिल सके। इस सेवा कार्य में ग्रुप के अध्यक्ष संतोष जैन, महामंत्री विकास जैन 'पांडे', कोषाध्यक्ष नितिन जैन 'लवली', एवं संस्थापक अध्यक्ष सुशील जैन, कार्यकारी अध्यक्ष उपेंद्र जैन 'पटेल' तथा अमित जैन 'टकसारी' सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही कुलदीप जैन, कपिल जैन 'केपी',अजय जैन बबलू,मनोज जैनसहित अन्य सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिला सदस्यों में श्रीमती मालती जैन, श्रीमती संध्या जैन, श्रीमती प्रीति जैन एवं श्रीमती रेखा जैन सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी ने मिलकर गौमाता को स्नेहपूर्वक चारा, गुड़ और आटा अर्पित किया।

गौशाला परिसर में सदस्यों ने स्वच्छता व्यवस्था का भी अवलोकन किया और संचालकों से चर्चा कर भविष्य में नियमित सहयोग का आश्वासन दिया। श्रीमती मालती जैन ने कहा कि जीव मात्र के प्रति दया, सहानुभूति और सेवा की भावना ही सच्चा धर्म है। इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और युवाओं को सेवा कार्यों से जोड़ने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने संकल्प लिया कि आगे भी समय-समय पर जीव दया एवं गौसेवा जैसे कार्य निरंतर जारी रखे जाएंगे, ताकि असहाय पशुओं को संरक्षण और सहारा मिल सके।

जयश्वर महादेव मेला में सत्य और त्याग की मिसाल बनी हरिश्चंद्र लीला, दर्शक हुए भाव-विभोर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। नगर के जयश्वर महादेव मेला रंगमंच पर बीती रात 9 बजे मंचित हरिश्चंद्र लीला ने दर्शकों का मन मोह लिया। इस नाटक का प्रभावशाली मंचन शादाब मास्टर, फिरोजाबाद द्वारा किया गया।

सत्य, धर्म और त्याग की प्रतीक इस प्रस्तुति में राजा हरिश्चंद्र के जीवन संघर्ष को अत्यंत सजीव और मार्मिक ढंग से दर्शाया गया। कथा के अनुसार राजा हरिश्चंद्र ने सत्य पालन के लिए अपना राज्य, वैभव और सुख-समृद्धि त्याग दी। ऋषि विश्वामित्र को दिए वचन की रक्षा हेतु उन्होंने राजपाट छोड़कर परिवार सहित वनवास स्वीकार किया। परिस्थितियां इतनी विकट हुईं कि उन्हें अपनी पत्नी और पुत्र से भी अलग होना पड़ा तथा स्वयं श्मशान में दास बनकर कार्य करना पड़ा। सबसे भावुक दृश्य वह रहा जब पुत्र रोहिताश्व के निधन पर भी उन्होंने श्मशान शुल्क लेने के अपने धर्म का पालन किया। अंततः सत्य और धर्म की विजय हुई तथा देवताओं ने प्रकट होकर उन्हें पुनः सम्मान और राज्य प्रदान किया। कलाकारों की सशक्त अदायगी ने प्रत्येक दृश्य को जीवंत बना दिया। राजा हरिश्चंद्र की भूमिका निभाने वाले कलाकार ने चेहरे के भाव, प्रभावशाली संवाद अदायगी और सशक्त देहभाषा से दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। रानी तारा की भूमिका भी अत्यंत मार्मिक रही, जिसमें एक पत्नी और माता की वेदना को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। ऋषि विश्वामित्र एवं अन्य पात्रों ने भी अपनी प्रस्तुति से कथा में गंभीरता और प्रभाव बढ़ाया।

मंच सज्जा, पारंपरिक वेशभूषा और सटीक प्रकाश व्यवस्था ने नाटक को भव्य रूप प्रदान किया। भावपूर्ण संगीत और पृष्ठभूमि ध्वनि ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया, जिससे दर्शक देर रात तक मंत्रमुग्ध होकर प्रस्तुति का आनंद लेते रहे।

कार्यक्रम में नगर पालिका अम्बाह के पार्षदगण उपस्थित रहे। स्थानीय महिलाओं, पुरुषों और युवाओं की बड़ी संख्या ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयोजन की शोभा बढ़ाई। लीला के प्रत्येक दृश्य ने यह प्रेरक संदेश दिया कि सत्य की राह कठिन अवश्य होती है, किंतु अंततः विजय उसी की होती है। कार्यक्रम के अंत में कलाकारों का सम्मान भी किया गया।

प्रत्येक व्यक्ति की संसाधनों, अधिकारों और अवसरों तक समान पहुंच हो: सुधीर आचार्य

-विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर हुई संगोष्ठी और शपथ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। मध्य प्रदेश राज्य आनंद संस्थान आनंद विभाग की मंशा के अनुरूप आचार्य आनन्द क्लब द्वारा आज़ विश्व सामाजिक न्याय दिवस के उपलक्ष्य में संगोष्ठी और शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया. संस्कृति सभागार में हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती संगीता तोमर ने की. मुख्य वक्ता के रूप में डॉ सुधीर आचार्य मास्टर ट्रेनर एवं समाजसेवी और सह वक्ताओं में अरविन्द माहौर, आनंद सिंह तोमर एवं श्रीमती शीतल चतुर्वेदी मंचासीन थे। विषय प्रवर्तन लोकेन्द्रसिंह गुर्जर ने किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए समाजसेवी एवं मोटीवेटर सुधीर आचार्य ने कहा कि समाज में एकजुटता, सद्भाव, समरसता, सौहार्द बढ़ाने के साथ साथ, प्रत्येक व्यक्ति की सभी संसाधनों, मानव अधिकारों और अवसरों तक समान पहुंच हो, हमें सबके सहयोग से ऐसा वातावरण और व्यवस्था निर्मित करना है। उपस्थित सहभागियों को सामाजिक न्याय की शपथ दिलाते हुए सुधीर आचार्य ने कहा कि हम सामाजिक न्याय और समानता के लिए काम करेंगे। हम गरीबी, असमानता, और बेरोजगारी जैसे मुद्दों से निपटने के लिए प्रयास करेंगे। हम सभी व्यक्तियों को समान अवसर और अधिकार प्रदान करने के लिए काम करेंगे, हम सामाजिक न्याय और मानवाधिकारों के लिए आवाज उठाएंगे। समाज में शांति, सद्भाव, और एकता को बढ़ावा देंगे। अपने कार्यों और व्यवहार से समाज को एक बेहतर स्थान बनाने के लिए प्रयास करेंगे, हम शपथ लेते हैं कि हम सामाजिक न्याय और समानता के लिए हमेशा खड़े रहेंगे और इसके लिए काम करेंगे। संचालन और संयोजन जिला आनंद विभाग के जिला सम्पर्क समन्वयक बालकृष्ण शर्मा ने किया. आभार रविकांत कटारे ने किया।

कन्या रत्न की प्राप्ति पर घर में उत्सव का माहौल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। किला बस्ती निवासी गिर्राज शर्मा के पुत्र भोला शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती दीप्ति शर्मा ने प्रथम संतान के रूप में एक स्वस्थ एवं सुंदर कन्या को जन्म दिया है। इस सुखद समाचार के मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों और पूरे मोहल्ले में खुशी की लहर दौड़ गई। घर-परिवार में नन्हीं किलकारियों की गूंज से वातावरण उल्लासमय हो उठा। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद जब नवजात शिशु का घर आगमन हुआ तो परिजनों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ स्वागत किया। घर के मुख्य द्वार महिलाओं ने मंगल गीत गाते हुए । नवजात के स्वागत में पुष्प वर्षा की गई तथा मिठाइयां बांटकर खुशी साझा की गई। पड़ोसियों और शुभचिंतकों ने घर पहुंचकर माता-पिता को बधाई दी और कन्या को आशीर्वाद प्रदान किया। परिवारजनों ने इसे ईश्वर का विशेष आशीर्वाद बताते हुए कहा कि कन्या घर की लक्ष्मी होती है और उसके आगमन से घर-आंगन में समृद्धि एवं सुख-शांति आती है। दादा-दादी और अन्य परिजनों के चेहरे पर प्रसन्नता साफ झलक रही थी। सभी ने नवजात के स्वस्थ, उज्ज्वल और सफल भविष्य की कामना की। किला बस्ती में इस शुभ अवसर पर हर्षोल्लास का वातावरण बना रहा। परिवार की इस खुशियों भरी घड़ी में रिश्तेदारों और परिचितों का तांता लगा रहा, जिससे पूरा क्षेत्र उत्सव के रंग में रंगा नजर आया।

पहले ससुर-दामाद को गोली मारी फिर उन्हें फंसाने मौसेरे भाई का किया कत्ल

- आरोपीगण के कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवैध देशी कट्टा मय राउण्ड के जब्त
- 5 हजार रुपये का ईनामी आरोपी गिर्राज गुर्जर गिरफ्तार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। दिनांक 12.02.26 को शाम करीबन 04:30 बजे ग्राम कैंथरी नहर की पुलिया के पास फरियादी देवेन्द्र उर्फ बब्लू सिंह गुर्जर निवासी कैंथरी व उसके परिजनों के साथ पुरानी रंजिश पर से आरोपीगण गिर्राज, आशु, गौतम, रवि, छोटू समस्त जाति गुर्जर एवं उनके अन्य साथियों द्वारा मारपीट, गाली-गलौच एवं जान से मारने की नियत से फायरिंग की घटना कारित की गई, जिसमें फरियादी देवेन्द्र उर्फ बब्लू गंभीर रूप से घायल हो गया था, फरियादी की उक्त रिपोर्ट पर से थाना सरायछौला पर 05 नामजद आरोपियों एवं 02 अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्रमांक 15/26 धारा 109 (1),296 (ए),115 (2),351 (2), 3 (5) बी. एन. एस के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त दिनांक को ही फरियादी शैलेन्द्र गुर्जर द्वारा रिपोर्ट की गई कि रात्रि करीबन 08:45 बजे वह अपने मौसी के लडके सत्यवीर के साथ मोटर साइकिल से मुरैना से अपने गांव जा रहा था, रास्ते में डीपीएस स्कूल के पास से 02 मोटर साइकिलों पर सवार बल्लू के 02 लड़के एवं 02 अज्ञात लड़को द्वारा पुरानी रंजिश पर से गाड़ी का प्रयास किया एवं हमारी मोटर साइकिल धीमी होने पर बल्लू के लडके एवं उसके साथी फायरिंग करने लगे, जिसमें 01 गोली सत्यवीर के सिर में लगी एवं हम मोटर साइकिल सहित जमीन पर गिर गए। फरियादी की उक्त रिपोर्ट पर से 04 अज्ञात आरोपीगण के विरूद्ध अपराध क्रमांक 16/ 26 धारा 109 (1) , 296 (ए) 3 (5) बी. एन. एस के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त प्रकरण के मजरूब सत्यवीर गुर्जर की इलाज के दौरान दिनांक 13.02.26 को मृत्यु हो जाने के कारण प्रकरण में धारा 103 (1) बीएनएस का इजाफा किया गया । पुलिस अधीक्षक मुरैना द्वारा घटना की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए प्रकरण में वांछित आरोपीगण की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु थाना स्तर पर पुलिस टीम का गठन किया गया, एवं अपराध क्रमांक 15 / 26 में फरारशुदा आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु 5000-5000 / - का ईनाम उद्घोषित किया गया एवं थाना प्रभारी सरायछौला एवं सिविल लाइन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उक्त निर्देशों के तारतम्य में अति. पुलिस अधीक्षक, मुरैना सुरेन्द्र पाल सिंह डावर के निर्देशन एवं नगर पुलिस अधीक्षक मुरैना श्रीमती दीपाली चंदौरिया के मार्गदर्शन में पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया एवं मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया।
प्रकरण की विवेचना के दौरान फोरेन्सिक टीम द्वारा घटनास्थल स्थल का बारीकी से निरीक्षण किए जाने पर प्रथमदृष्टया घटना संदिग्ध प्रतीत होने एवं विरोधाभासी कथनों के आधार पर फरियादी शैलेन्द्र गुर्जर से गहनता से पूछताछ की गई तो उसने क्रॉस अपराध दर्ज कराने के उद्देश्य से अपने चचेरे भाई एवं अन्य साथियों के साथ मिलकर मृतक सत्यबीर की हत्या की घटना कारित करना स्वीकार किया एवं उसके चचेरे भाई गिर्राज गुर्जर द्वारा मृतक सत्यबीर को गोली मारना बताया। तदोपरांत आरोपी शैलेन्द्र गुर्जर को गिरफ्तार किया गया एवं दिनांक 19.02.26 को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर 5000/- के ईनामी आरोपी गिर्राज पुत्र रामप्रकाश गुर्जर नि. रजई का पुरा कैथरी को गिरफ्तार किया गया एवं आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 315 बोर का अवैध देशी कट्टा मय जिंदा राउण्ड जब्त किया गया एवं प्रकरण में धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का इजाफा किया

जनगणना अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य, इसे पूर्ण निष्ठा के साथ करें : कलेक्टर

दो दिवसीय नगरीय निकायों का प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। भारत की जनगणना 2027 के लिए प्रदेश स्तर से नियुक्त मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण कार्य संचालित किया जा रहा है। इसके तहत ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के लिए अलग-अलग दो-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित किए गए थे। भोपाल से आए संभाग स्तरीय मास्टर ट्रेनर डॉ. रघुवंश मणी द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। नगरीय निकायों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शुक्रवार को सम्पन्न हुआ।

इस दौरान कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी लोकेश कुमार जांगिड़ ने कहा कि जनगणना अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, अतः इसे पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ किया जाए। इस अवसर पर जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर विपिन कुमार सिंह, आयुक्त नगर निगम सतेन्द्र धाकरे सहित अन्य नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी उपस्थित रहे।
प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी श्री जांगिड़ ने निर्देश दिए कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार समय-सीमा में सभी कार्य पूर्ण किए जाएँ। जनगणना-2027 देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी, जो दो चरणों में आयोजित की जाएगी। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की जाएगी। यह चरण 1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक घर-घर जाकर सम्पन्न किया जाएगा। सभी अधिकारी अपने-अपने चार्ज क्षेत्रों में विशेष ध्यान दें तथा किसी भी संशय की स्थिति में तत्काल मास्टर ट्रेनर्स से मार्गदर्शन प्राप्त करें।
प्रशिक्षण के दौरान संभाग स्तरीय मास्टर ट्रेनर डॉ. रघुवंश मणी ने बताया कि नगरीय क्षेत्रों में जनगणना संचालन की मूल इकाई वार्ड होता है। प्रत्येक वार्ड की अनुमानित जनसंख्या का आंकलन किया जाए। जिस वार्ड की जनसंख्या एक एचएलबी के बराबर या उससे कम हो, वहाँ कम से कम एक एचएलबी बनाया जाना आवश्यक है। किसी भी स्थिति में एक एचएलबी बनाने हेतु एक से अधिक वार्डों के क्षेत्रों को जोड़ा नहीं जा सकता। यदि किसी वार्ड की जनसंख्या एक एचएलबी से अधिक हो, तो उसे दो या अधिक एचएलबी में विभाजित किया जाएगा। सीमांकन के लिए स्पष्ट एवं स्थायी भौतिक विशेषताओं (प्राकृतिक अथवा मानव निर्मित) का उपयोग किया जाए।
उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्रत्येक वार्ड में स्लम क्षेत्रों की पहचान एवं सीमांकन किया जाए तथा एचएलबी केवल स्लम क्षेत्रों के भीतर ही बनाए जाएँ। किसी भी परिस्थिति में स्लम एवं गैर-स्लम क्षेत्रों को मिलाकर एचएलबी नहीं बनाया जाएगा।

लॉ कॉलेज मुरैना में पिंक लर्निंग लाइसेंस कैंप आयोजित

मौके पर छात्राओं को लर्निंग लाइसेंस वितरित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ के नेतृत्व में जिले में संकल्प से समाधान अभियान सतत रूप से संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्रीमती अर्चना परिहार द्वारा शुक्रवार को लॉ कॉलेज मुरैना में परिवहन विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पिंक लर्निंग लाइसेंस कैंप आयोजित किया गया।

कैंप में छात्राओं को यातायात नियमों, सुरक्षित वाहन संचालन तथा लर्निंग लाइसेंस से संबंधित प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही उन्हें सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए जिम्मेदार नागरिक के रूप में यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। कैंप के दौरान अब तक 115 लर्निंग लाइसेंस मौके पर ही छात्राओं को वितरित किए जा चुके हैं। शिविर निरंतर जारी है। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं को सशक्त बनाते हुए उन्हें विधिवत लाइसेंस प्रक्रिया से जोड़ना तथा सुरक्षित परिवहन के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर कॉलेज के स्टाफसहित छात्राएं उपस्थित रहीं।

जेएसएस मुरैना द्वारा तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का समापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। जन शिक्षण संस्थान, मुरैना द्वारा दिनांक 18 फरवरी 2026 से 20 फरवरी 2026 तक अपने विभिन्न प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षिकाओं के लिए तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन सेंट आरसेटी मुरैना में किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रदीप तिवारी निदेशक, जन शिक्षण संस्थान मुरैना द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया एवं इस कार्यशाला के आयोजन की आवश्यकता एवं महत्व के विषय में बताया गया। इस कार्यक्रम में सिद्धार्थ कुमार, अग्रणी बैंक मैनेजर द्वारा यह बताया गया कि लाभार्थी किस प्रकार बैंक से लोन प्राप्त कर सकता तथा इस हेतु महत्वपूर्ण दस्तावेज क्या होने चाहिये। जितेन्द्र राजपूत जनरल मैनेजर आईसेक्ट मुरैना द्वारा सॉफ्ट स्किल्स एवं मोटिवेशन से संबंधित जानकारी उपलब्ध करायी गयी। संजय सिंह चैहान, सहायक संचालक, सूक्ष्म, लधु एवं मध्यम उद्यम विभाग मध्यप्रदेश शासन ने बताया कि उद्योगों/प्रतिष्ठानों का पंजीकरण कैसे करें। तथा कार्य प्रारंभ करने हेतु परियोजना प्रस्ताव कैसे तैयार करें। भगवान सिंह निदेशक, सेंट आरसेटी मुरैना द्वारा शासकीय योजना के अंतर्गत ऋण उपलब्धता के संबंध में जानकारी देते हुए विभिन्न योजनाओं के विषय में जानकारी प्रदान की गई। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से पधारे हुए उमेश राजौरिया, जिला प्रबंधक मूल्यांकन एवं अनुश्रवण द्वारा स्वयं सहायता समूह का गठन एवं उसके संचालन के विषय में जानकारी प्रदान की गयी। रियाज खान, मास्टर ट्रेनर सेन्ट आर.सेटी द्वारा आदर्श प्रशिक्षक के गुण एवं उद्यमशीलता के विषय में बताया गया। आर.पी. गर्ग, पूर्व निदेशक, सेन्ट आरसेटी द्वारा व्यक्तित्व निर्माण एवं प्रभावी संचार कौशल के विषय में जानकारी प्रदान की गई। उनके द्वारा सभी प्रतिभागियों का फीडबैक लिया गया एवं सहभागिता प्रमाण-पत्र का वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम अधिकारी नवल किशोर द्वारा उपस्थित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में सेंट आरसेटी स्टॉफ के साथ-साथ, जन शिक्षण संस्थान के सहायक कार्यक्रम अधिकारी गिर्राज डण्डोतिया, रजत कुशवाह, लेखपाल आशीष शिवहरे, कम्प्यूटर ऑपरेटर दीपक चैहान सहित लगभग सभी प्रशिक्षक/प्रशिक्षकायें कार्यशाला में उपस्थित रहे।

अल्प प्रवास पर मुरैना आये डॉ. अनिल शास्त्री, भक्तों को दिया भक्ति का संदेश

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। केशव कॉलोनी स्थित बलवीर पाठक के निवास पर उस समय आध्यात्मिक माहौल बन गया जब गुरुदेव देव प्रभाकर शास्त्री के ज्येष्ठ पुत्र डॉ. अनिल शास्त्री (बड़े भैया) अल्प प्रवास पर मुरैना पहुंचे। उनके आगमन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में भक्तजन एकत्रित हो गए और पूरा परिसर श्रद्धालुओं से भर गया।
डॉ. अनिल शास्त्री (बड़े भैया) ने अपने आशीर्वचनों में धर्म, संस्कार और सनातन परंपरा की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 12 मार्च से 19 मार्च तक भोपाल के विट्टन मार्केट, अरेरा कॉलोनी, 10 नंबर मार्केट के पास दशहरा मैदान में सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा, असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने का आह्वान किया।
बड़े भैया ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना जागृत करते हैं और नई पीढ़ी को संस्कृति से जोड़ते हैं। उन्होंने भक्तों के साथ विभिन्न धार्मिक विषयों पर चर्चा की और आयोजन की विस्तृत रूपरेखा भी स्पष्ट की।
इस अवसर पर भक्तों ने डॉ. अनिल शास्त्री (बड़े भैया) का पुष्पमालाओं से स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में शिवदत्त व्यास, बलवीर पाठक, रामविलास मुद्गल, रामशरण शर्मा(,पत्रकार) विनोद शुक्ला, नीरज खेमरिया, गजेंद्र पाठक सहित लगभग आधा सैकड़ा भक्तजन उपस्थित रहे।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 के तहत नवीन टूलकिट विषय पर नगर निगम सभागार कक्ष में प्रशिक्षण सम्पन्न

प्रतिदिन सफाई की करें मॉनिटरिंग, स्वच्छता सर्वेक्षण में रहेगा बेहतर प्रदर्शनः निगम आयुक्त

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। गुरुवार की सुबह नगर निगम सभागार क कक्ष में स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 की तैयारी को लेकर नवीन टूलकिट विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में नगर निगम आयुक्त मौजूद रहे। नगर निगम आयुक्त सत्येन्द्र धाकरे ने सभी कर्मचारियों अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि मुरैना शहर को स्वच्छता सर्वेक्षण में अच्छी रैंकिंग दिलानी है तो प्रतिदिन शहर की सफाई पर विशेष ध्यान देना होगा। साथ-साथ सफाई व्यवस्था की मॉनीटरिंग भी प्रति दिवस करनी होगी। प्रशिक्षण में नगर निगम के डिप्टी कमिश्नर लाल सिंह डोडिया, अकाउंट ऑफिसर हरिराम शंकवार प्रमुख रूप से मौजूद रहे। प्रशिक्षण कार्यशाला में 2026 स्वच्छता सर्वेक्षण हेतु जारी की गई टूलकिट विषय पर सभी अधिकारी, कर्मचारियों का प्रशिक्षण किया गया। प्रशिक्षण में शहर को साफ-सुंदर, स्वच्छ बनाने हेतु विशेष निर्देश दिए गए। टूलकिट का प्रदर्शन प्रेजेंटेशन के माध्यम से सभी अधिकारी कर्मचारी को दिखाया गया। शहर को स्वच्छता रैंकिंग में नंबर वन बनाने के प्रयासों को पर भी चर्चा की गई। नवीन टूलकिट प्रशिक्षण कार्यक्रम नगर निगम सभागार कक्ष में रखा गया, जिसमें निगम के समस्त सहायक यंत्री, स्वास्थ्य अधिकारी, समयपाल, स्वच्छता निरीक्षक, उद्यान प्रभारी, निर्माण कार्य लिपिक, स्वच्छ भारत मिशन की आईईसी टीम सहित नगर निगम के कर्मचारी व अधिकारी मौजूद रहे।

प्रशासन द्वारा 35 बीघा सरकारी जमीन अतिक्रमण मुक्त, पानी भरकर रोकने की कोशिश भी नाकाम

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। तहसील कैलारस अंतर्गत ग्राम सेमई में शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने हेतु प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई लोकेश कुमार जांगिड़ के नेतृत्व में राजस्व एवं प्रशासनिक अमले की उपस्थिति में सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई।

अभियान के दौरान लगभग 35 बीघा शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। संबंधित अतिक्रमणकारियों द्वारा भूमि पर फसल बोई गई थी तथा कार्रवाई में बाधा उत्पन्न करने के उद्देश्य से खेतों में पानी भर दिया गया था। तथापि प्रशासन द्वारा आवश्यक तकनीकी व्यवस्था करते हुए कार्रवाई को प्रभावी रूप से पूरा किया गया।
कार्रवाई दिनांक 20 फरवरी को दोपहर 12 बजे प्रारंभ होकर सायं 6 बजे तक सतत जारी रही। मौके पर 50 कोटवार, 10 पटवारी, चार कैच-व्हील ट्रैक्टर एवं दो जेसीबी मशीनें तैनात की गईं। जलभराव की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए विशेष रूप से कैच-व्हील ट्रैक्टरों की व्यवस्था की गई, जिससे बिना बाधा के अतिक्रमण हटाया जा सका। शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु पर्याप्त पुलिस बल भी तैनात रहा। तहसीलदार नरेश शर्मा सहित राजस्व विभाग की टीम द्वारा पूरी कार्रवाई में सक्रिय सहयोग प्रदान किया गया। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

हाईस्कूल के गायन-वादन, पंजाबी एवं कंप्यूटर विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण सम्पन्न

मुरैना। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा संचालित हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षाएँ जिले में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुचारु रूप से संचालित की जा रही हैं। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देशन में शुक्रवार, 20 फरवरी को हाईस्कूल के गायन-वादन, पंजाबी तथा कंप्यूटर विषय की परीक्षा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। जिला शिक्षा अधिकारी बी.एस. इंदौलिया ने बताया कि उक्त विषयों की परीक्षा में कुल 10 परीक्षार्थियों ने भाग लिया।

खुदकुशी के केस में मृतक की पत्नी को 3 वर्ष का सश्रम कारावास

-पत्नी के नाजायज संबंधों से प्रताड़ित था पति
-तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश अंबाह का फैसला

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/अम्बाह। पत्नी के अवैध संबंधों व उसके प्रेमी के साथ आपत्तिजनक फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड होने से क्षुब्ध एक युवक ने मानसिक रूप से प्रताड़ित होकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश धीरेन्द्र सिंह मंडलोई की अदालत ने आरोपी पत्नी को तीन वर्ष के सश्रम कारावास एवं तीन हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है।

अपर लोक अभियोजक गणेश सिंह तोमर ने बताया कि 01 अगस्त 2022 की रात राजेन्द्र उर्फ छोटू कुशवाह (19) के साथ खाना खाकर सोया था। रात 11 बजे राजेंद्र ने अपने ही घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच की तो सामने आया कि मृतक की पत्नी आरती कुशवाह के गांव जींगनी खेड़ा के पुरा निवासी सोनू उर्फ गंगा सिंह से कथित नाजायज संबंध थे। आरती व सोनू के आपत्तिजनक फोटो एवं वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किए जाने से मृतक मानसिक रूप से अत्यधिक प्रताड़ित था। विवेचना के दौरान पुलिस ने पेन ड्राइव, फोटो, सीडीआर सहित अन्य साक्ष्य एकत्रित किए और गवाहों के बयान दर्ज किए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने धारा 306 भादंवि (आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण) के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया। सुनवाई के दौरान साक्ष्यों को प्रमाणित मानते हुए न्यायालय ने आरोपी आरती कुशवाह पत्नी स्व. राजेन्द्र कुशवाह निवासी मंसूरपुरा थाना पोरसा को दोषी ठहराते हुए तीन वर्ष के सश्रम कारावास एवं तीन हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

ऊना एक्सप्रेस में मुसाफिरों से अभद्रता कर रहे 2 किन्नर पकड़े

-यात्रियों की सूचना पर जीआरपी के जवानों की कार्रवाई

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। इंदौर से हिमाचल प्रदेश के ऊना जाने वाली 19307 ऊना हिमाचल एक्सप्रेस में मुसाफिरों के साथ अभद्रता कर वसूली कर रहे दो किन्नरों को जीआरपी के जवानों ने पकड़ा है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को ट्रेन संख्या 19307 के ए-2 कोच में सवार मुसाफिरों ने उत्तर मध्य रेलवे के झांसी स्थित सूचना नियंत्रण कक्ष में फोन कर दो किन्नरों द्वारा परेशान कर नकद राशि वसूल किए जाने की शिकायत की। कंट्रोल रूम से सूचना मिलने पर जीआरपी मुरैना के अमित कुमार, संदीप तोमर, सतवीर सिंह, प्रधान आरक्षक रामकिशोर, लोकेश, नवीन ने ट्रेन के मुरैना पहुंचनें पर ए-2 कोच में निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके द्वारा गुलाबो गुरू संध्या और अंजलि गुरू संध्या निवासीगण गांधीनगर पड़ाव ग्वालियर को रेल मुसाफिरों के साथ अभद्रता और वसूली करते हुए पकड़ा। दोनों किन्नरों के विरुद्ध जीआरपी ने रेलवे एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

कार्यालय नगर पालिक निगम मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2026 **//नामांतरण विज्ञप्ति (उज्जदारी)//** मुरैना, दिनांकः- 20.02.2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के तहत भूमि/भवन स्वामियों द्वारा सम्पत्ति कर पंजी में नामांतरण हेतु आवेदन विधिवत शुल्क जमा कर इस कार्यालय में निम्नानुसार प्रस्तुत किये गये हैं:-

क्र.	भूमि/भवन एवं वार्ड क्रमांक	भूमि/भवन क्रेता/ अन्तरणगृहीता स्वामी का नाम	भूमि/भवन विक्रेता/ अन्तरणकर्ता	नामांतरण /अन्तरण का आधार एवं क्षेत्रफल
1	261/27, वार्ड पुराना 3 शुक्ला गली रामनगर मुरैना	श्रीमती संजू दुबे पत्नी त्रिमोहन दुबे निवासी- शुक्ला गली रामनगर मुरैना	श्रीमती शीलाबाई पत्नी कालीचरन दुबे	विक्रय पत्र
2	501/9, नया वार्ड 20 नई आबादी सिंगल बस्ती मुरैना	श्रीमती सपना खरे पुत्री अमर सिंह खरे पत्नी शैलेन्द्र सिंह निवासी- नई आबादी सिंगल बस्ती मुरैना	श्रीमती मीरा उर्फ मीना देवी पत्नी रामेश्वर सिंह	विक्रय पत्र
3	1031, जूनियर एमआईजी 735 वार्ड क्र. 12, पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मुरैना	कमलकृष्ण शर्मा, राधेश्याम पुत्रगण रामभजन शर्मा, निवासी- पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मुरैना	अनिल शर्मा पुत्र दीनानाथ शर्मा	विक्रय पत्र, हाउसिंग बोर्ड का हस्तांतरण आदेश
4	248/1/16, नया वार्ड 18 पटी गली दतपुरा मुरैना	प्रांजुल अग्रवाल पुत्र दीपक निवासी- अग्रवाल संतर दतपुरा मुरैना	श्रीमती बैनी बाई माहौर पत्नी राजाराम माहौर	विक्रय पत्र

अतः उपरोक्त भूमि/भवन पर नामांतरण किए जाने में किसी भी खास/परिवारीजन/आम व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के अंदर 15 दिवस इस कार्यालय में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा नामांतरण प्रकरण में कार्यवाही कर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। सूचित हों।

राजस्व प्रभारी
नगर पालिक निगम, मुरैना

मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष ने नवग्रह शक्ति पीठ पर की पूजा अर्चना

- निर्माणाधीन अस्पताल भवन, जेल व अपना घर का भी निरीक्षण किया

ग्वालियर। मध्य प्रदेश मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह डबरा प्रवास के दौरान नवग्रह शक्तिपीठ मंदिर परिसर में आयोजित हो रहे धार्मिक आयोजन में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने नवग्रह शक्ति पीठ के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष को मंदिर परिसर का भ्रमण कराया। इस दौरान पुलिस उप महानिरीक्षक मुकेश श्रीवास्तव एवं आयोग मित्र डॉ. दीपक शर्मा (शिकायत प्रकोष्ठ, ग्वालियर-चंबल संभाग) भी उनके साथ थे। मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि ऐसे आध्यात्मिक केंद्र समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करते हैं।

राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने डबरा प्रवास के दौरान शासकीय अस्पताल, उप जेल एवं ÷अपना घर÷ आश्रम का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि किसी भी संस्था में मानवाधिकारों से जुड़ी लापरवाही न हो। डॉ. सिंह ने शासकीय अस्पताल, उप जेल एवं ÷अपना घर÷ आश्रम का दौरा कर व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत जानी। मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. सिंह ने डबरा में निर्माणाधीन अस्पताल के नए भवन के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अस्पताल भवन का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूर्ण कराएं, जिससे मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। इसी क्रम मेंमानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने उप जेल डबरा का भ्रमण किया। यहां साफ-सफाई व अन्य सुविधाओं का जायजा लेने के बाद उन्होंने बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं। ÷अपना घर÷ आश्रम का भी मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष ने जायजा लिया। उन्होंने यहां की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया और संस्था के कार्यों की सराहना की। डॉ. सिंह ने इस संस्था को मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। निरीक्षण के समय मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव, एसडीएम रूपेश सिंघई, आयोग मित्र डॉ. दीपक शर्मा, नायब तहसीलदार मस्तराम गुर्जर, नायब तहसीलदार लाल सिंह राजपूत, सहायक जेल अधीक्षक महेश शर्मा, समाजसेवी संग्राम सिंह सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

प्रथमिकता के साथ समय पर हो मुख्य मार्गों की सफाईः निगमायुक्त

ग्वालियर। शहर के मुख्य मार्गों पर कचरे ढेर नहीं मिलना चाहिए तथा डोर टू डोर वाहन समय पर निर्धारित रूट पर ही चले एवं स्वच्छता ऐप पर आने वाली शिकायतों को प्राथमिकता के साथ निराकरण करायें। यह निर्देश निगम आयुक्त संघ प्रिय ने स्वास्थ्य विभाग की बैठक लेकर संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव, उपायुक्त मुकेश बंसल, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव, स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी, जेडएचओ एवं डब्ल्यूएचओ उपस्थित थे।

बाल भवन के सभागार में आयोजित बैठक में निगमायुक्त संघ प्रिय ने स्वच्छता के कार्य में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि प्रथमिकता के साथ मुख्य मार्गों की सफाई समय पर हो, कहीं भी मुख्य मार्ग या उसके किनारे पर कचरा मिला तो संबंधित के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी तथा डिवाइडारों पर कचरे ढेर नहीं मिले। इसके साथ ही रोड स्वीपिंग मशीन प्रोपर समय पर तथा प्रतिदिन चले कहीं भी सड़क पर धूल नहीं मिलना चाहिए। डोर टू डोर वाहनों की मॉनिटरिंग के लिए कंट्रोल कमांड सेंटर में कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। अगर वाहन निर्धारित रूट पर नहीं चल रहा है या एक स्थान पर काफी देर तक रूका है तो उसकी सूचना संबंधित डोर टू डोर वाहन चालक कंट्रोल कमांड सेंटर पर दें। बैठक में निर्देशित किया गया कि डेयरी संचालकों पर प्रभावी कार्यवाही करें, अगर किसी डेयरी संचालक की बजह से कहीं भी सीवर चौक होती है तो संबंधित के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। शहर में स्थित सभी शौचालयों एंव मूत्रालयों की वास्तविक स्थिति देखें, अगर कहीं रिपेयर होना है तो उनको ठीक करायें तथा शौचालयों की सफाई प्रॉपर समय पर हो इसका संबंधित अधिकारी विशेष ध्यान रखें। इसके साथ ही शहर में स्थित पार्कों की सफाई भी प्रतिदिन हो इसका विशेष ध्यान रखें। इसके साथ ही बैठक में अनुपस्थित रहने वाले जेएडएचओ एवं डब्ल्यूएचओ को नोटिस जारी किये गये है।

सोशल मीडिया का उपयोग राष्ट्र निर्माण के लिए करें: शेजवलकर

ग्वालियर। लोकतंत्र में सोशल मीडिया की भूमिका निरंतर बढ़ रही है। यह जन आवाज को सशक्त करता है,लेकिन फेक न्यूज और भ्रामक सूचनाएं समाज के लिए बड़ी चुनौती बन चुकी हैं। युवाओं को जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनने की आवश्यकता है। यह बात शुक्रवार को पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने जीवाजी विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर स्टडीज इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन द्वारा 'सोशल मीडिया एंड ह्यूमन लाइफ' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में कही।

संगोष्ठी में आरटीएम नागपुर विश्वविद्यालय के प्रो. धर्मेश धवांकर ने कहा कि सोशल मीडिया ने मानव संचार की प्रकृति को पूरी तरह बदल दिया है। यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बढ़ावा देता है, परंतु इसके साथ आत्म-संयम, तथ्य-जांच और डिजिटल साक्षरता भी उतनी ही आवश्यक है। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलगुरू प्रो. जे.एन. गौतम ने कहा कि सोशल मीडिया आज मानव जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। यह सूचना के त्वरित आदानदृप्रदान का सशक्त माध्यम है, किंतु इसके दुरुपयोग से सामाजिक समरसता, मानसिक स्वास्थ्य और नैतिक मूल्यों पर प्रतिकूल प्रभाव भी पड़ रहा है। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों को शाल श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात स्मारिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के दौरान तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए जिसमें 15 से अधिक शोध पत्रों का वाचन किया गया। इस अवसर पर प्रो. डीएन गोस्वामी, प्रो. विवेक बापट, प्रो. जेएन गौतम, प्रो. एसएन महापात्रा, प्रो. एसके सिंह, प्रो. हेमंत शर्मा, प्रो. मुकुल तेलंग, प्रो. शांतिदेव सिसौदिया,प्रो. महेंद्र गुप्ता, डॉ. स्वर्णा परमार,डॉ. नवनीत गरूड़,प्रो.संजय गुप्ता ,डॉ. सतेंद्र सिकरवार, डॉ.पीके जैन,प्रो.धर्मेश धवांकर ,प्रो.संजीव गुप्ता, डॉ.निधि, रघुवीर रिछारिया, डॉ .सतेंद्र नागायच, पुष्पेंद्र सिंह तोमर, राघवेंद्र गोयल सहित शोधार्थी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। प्रो.विवेक बापट ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। कार्यक्रम का संचालन डॉ.भुवनेश तोमर और आभार डॉ. अर्चना चतुर्वेदी ने किया।

विभागीय अधिकारी सक्षम स्वीकृति के लिये प्रकरण ई-ऑफिस से भेजें: निगमायुक्त

- 60 से अधिक अधिकारियों ने ई-ऑफिस पोर्टल पर कराया पंजीयन

ग्वालियर। मध्यप्रदेश शासन के सभी विभागों में ई-फाइल की व्यवस्था लागू की गई है। इस व्यवस्था के तहत अब सभी विभागों में फाइलों का मूमेंट इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्रारंभ हो गया है। प्रशासन के साथ-साथ नगर निगम ग्वालियर में भी ई-ऑफिस प्रणाली को लागू किया गया है। नगर निगम ग्वालियर के 60 से अधिक अधिकारियों ने ई-ऑफिस पोर्टल पर जाकर न केवल अपना पंजीयन करा लिया है बल्कि ई-ऑफिस के माध्यम से कार्य भी प्रारंभ कर दिया है।

निगम आयुक्त संघ प्रिय ने नगर निगम के सभी क्षेत्राधिकारी, विभागीय अधिकारी, नोडल अधिकारी, कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री सहित अन्य ऐसे सभी अधिकारियों को जो फाइल मूमेंट करते हैं उन्हें ई-ऑफिस के माध्यम से ही फाइलों का मूमेंट करने के निर्देश दिए हैं। निगम आयुक्त संघ प्रिय ने नगर निगम के सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने विभाग के ऐसे सभी अधिकारियों का ई-ऑफिस पर जाकर पंजीयन करा लें जो फाइल मूमेंट करते हैं। निगम के जिन अधिकारियों ने अभी भी ई-ऑफिस पर अपना पंजीयन नहीं कराया है वे तीन दिवस के अंदर अपना पंजीयन कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि सभी अधिकारी अपने विभाग के विभिन्न पत्रों, छुट्टी के आवेदनों, छोटी फाइलों का मूमेंट वरिष्ठ अधिकारियों के पास ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से ही भेजना प्रारंभ करें। निगम आयुक्त संघ प्रिय ने विभागीय अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि अपने-अपने ऑफिस में ई-ऑफिस के संबंध में सभी कर्मचारियों को विस्तृत जानकारी भी दें। कर्मचारियों को आवश्यकता हो तो ई-ऑफिस का प्रशिक्षण भी दिलाया जाए। जो फाइलें ई-ऑफिस के माध्यम से सक्षम स्वीकृति हेतु प्रेषित की जाएं उनका व्यवस्थित रिकॉर्ड भी विभागीय अधिकारी संधारित करें। उन्होंने ऐसे विभागीय अधिकारियों को जिन्होंने ई-ऑफिस पोर्टल पर पंजीयन नहीं कराया है उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे शीघ्र अपना पंजीयन कराकर फाइलों को सक्षम स्वीकृति हेतु ई-ऑफिस के माध्यम से ही भेजें।

वैश्य फाउंडेशन महिला ईकाई ने किया माता की चौकी कार्यक्रम का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। गत दिवस वैश्य फाउंडेशन महिला ईकाई द्वारा माता की चौकी का भव्य आयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य अतिथि बंदना भूपेंद्र प्रेमी, संस्थापक अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, संरक्षक ममता अग्रवाल, ऋचा अग्रवाल, अध्यक्ष वंदना अग्रवाल, अध्यक्ष अंजुलता गुप्ता, महामंत्री सुनीता अग्रवाल, संयोजिका बबीता अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, मंजू जिंदल एवं संस्था के समस्त सदस्यगण उपस्थित रहे।

संस्था के सदस्य रश्मि गोयल, वैशाली अग्रवाल, किरण अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल, माधुरी अग्रवाल, अलका अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

माता के सोलह श्रृंगार प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे –

प्रथम पुरस्कार : रानी गुप्ता, द्वितीय पुरस्कार : रश्मि गोयल, तृतीय पुरस्कार : अनीता बिंदल, सांत्वना पुरस्कारः माधुरी गर्ग, पंचुअलिटी अवार्ड : साधना अग्रवाल।

माँ भगवती के भजनों एवं भक्तिमय वातावरण में सभी ने माँ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

उज्जवला से उजालाः मंजू आदिवासी के जीवन में आई नई रोशनी

(मधु सोलापुरकर, उपसंचालक जनसंपर्क)

ग्वालियर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना आज ग्रामीण और आदिवासी अंचलों की महिलाओं के जीवन में वास्तविक बदलाव ला रही है। ग्वालियर जिले की आदिवासी महिला मंजू आदिवासी इसकी जीवंत मिसाल बनकर उभरी हैं।

ग्वालियर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली मंजू आदिवासी पहले परंपरागत चूल्हे पर भोजन बनाती थीं। लकड़ी और उपलों से निकलने वाला धुआं उनकी आंखों में जलन, सांस लेने में तकलीफ और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा करता था। बरसात के मौसम में लकड़ी गीली हो जाने से भोजन बनाना और भी कठिन हो जाता था। मंजू बताती हैं, ÷पहले खाना बनाते समय पूरा घर धुएं से भर जाता था। बच्चों को भी दिक्कत होती थी। अब गैस मिलने से हमारा जीवन आसान हो गया है।÷ जिले में आयोजित जनकल्याण मेले के दौरान मंजू आदिवासी को उज्ज्वला योजना के तहत निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदान किया गया। मंच से जब उनका नाम पुकारा गया और उन्हें गैस चूल्हा व सिलेंडर सौंपा गया, तब उनके चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी।

गैस कनेक्शन मिलने के बाद अब वे कुछ ही मिनटों में भोजन तैयार कर लेती हैं। समय की बचत होने से वे घर के अन्य कार्यों के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई पर भी अधिक ध्यान दे पा रही हैं। उज्ज्वला योजना के माध्यम से केवल ईंधन नहीं, बल्कि महिलाओं को सम्मान और सुरक्षा भी मिली है। अब मंजू को जंगल से लकड़ी लाने के लिए दूर तक नहीं जाना पड़ता। इससे उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हुई है और श्रम की बचत भी हुई है। घर धुएं से मुक्त हुआ है, जिससे परिवार के स्वास्थ्य में भी सुधार आया है। मंजू आदिवासी अब स्वयं सहायता समूह से भी जुड़ गई हैं और वे कहती हैं कि सरकार की योजनाओं से उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है। वे अन्य महिलाओं को भी उज्ज्वला योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित कर रही हैं। श्रीमती मंजू आदिवासी खाली समय में सिलाई का कार्य कर अपने परिवार को आर्थिक सशक्त बनाने की दिशा में भी कार्य कर रहीं हैं।

व्हीलचेयर क्रिकेट प्रतियोगिता में उत्तरप्रदेश ने राजस्थान को 5 विकेट से हराया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुरैना के चंबल डिवीजन क्रिकेट मैदान पर खेली जा रही 5वीं नेशनल व्हीलचेयर क्रिकेट प्रतियोगिता के सेंट्रल जोन के दूसरे मुकाबले में उत्तरप्रदेश ने राजस्थान को 5 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान टीम एक समय 4 ओवर में 31 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी, लेकिन उत्तर प्रदेश के शैलेष के 4 विकेट की बदौलत टीम 86 रन पर ऑल आउट हो गई, जिसे उत्तरप्रदेश ने अरविंद के नाबाद 35 रन की बदौलत 5 विकेट से जीत हासिल कर ली। मुकाबले में में ऑफ द मैच उत्तरप्रदेश के शैलेष रहे। राजस्थान का दूसरा व अंतिम मैच शनिवार को मध्यप्रदेश से होगा।

मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग की टेरिफ में संशोधन हेतु राज्य सलाहकार समिति की बैठक में ऑनलाइन शामिल हुए अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल

घरेलू व गैरघरेलू उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत किए महत्वपूर्ण सुझाव

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। म.प्र. विद्युत नियामक आयोग की आज भोपाल में आयोजित बैठक में अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने ऑनलाइन शामिल होकर, प्रदेश के घरेलू व गैरघरेलू उपभोक्ताओं की वास्तविक स्थिति को ध्यान में रखते हुए, अपने सुझावों में कहा कि टेरिफ की दरों में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं होनी चाहिए क्योंकि हमारे यहाँ टेरिफ की दरें अन्य प्रदेशों की तुलना में पूर्व से ही अधिक हैं। साथ ही, आपने अनुबंध के संबंध में कहा कि अनुबंध की जो 02 वर्ष तक की अवधि है, जिसमें उपभोक्ता अपने लोड को कम नहीं करा सकते है और न ही 02 वर्ष तक विद्युत कनेक्शन को कटवा सकते हैं । यह गलत है क्योंकि जब उपभोक्ता कोई नया विद्युत कनेक्शन लेता है, तब उसका जो भी चार्ज बनता है, वह देता है और 50 किलोवॉट से अधिक का कनेक्शन होने पर नया ट्रांसफार्मर उपभोक्ता द्वारा लगवाया जाता है और उसका पूरा खर्चा भी उठाया जाता है, जो कि कनेक्शन कटवाने पर वापिस नहीं मिलता है । तब ऐसी स्थिति में कनेक्शन को कटवाने अथवा लोड को कम करवाने पर भी कोई बाध्यता नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही आपने प्रत्येक माह में लिए जाने वाले 'मिनीमन चार्जेज' पर सुझाव देते हुए माँग की कि जिस महीने में उपभोक्ता द्वारा विद्युत का उपयोग नहीं किया जाता है, उस माह में 'मिनीमन चार्जेज' भी उपभोक्ता से नहीं लिया जाना चाहिए।

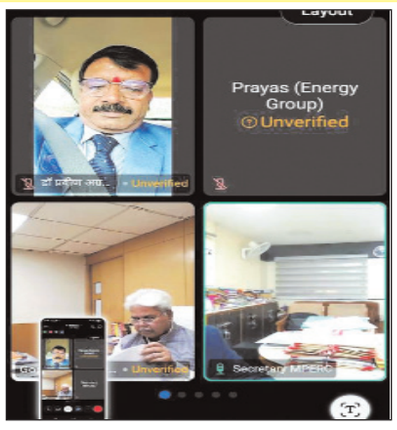

पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क में प्रारंभ हुआ निःशुल्क योग शिविर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। वार्ड क्र. 12 के पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क कमिश्नर कॉलोनी में निःशुल्क योग शिविर का आरंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक रघुराज कंषाना, पूर्व पार्षद संजय शर्मा उपस्थित रहे। यह शिविर 20 फरवरी से 15 मार्च तक चलेगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक रघुराज सिंह कंषाना ने कहा कि व्यक्ति को दिनभर की भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद के लिए 1 घंटे सुबह योग, व्यायाम करना चाहिए। शास्त्रों में भी लिखा हे पहला सुख निरोगी काया है, इसलिए स्वस्थ रहने के लिए नियमित योग अभ्यास करना चाहिए।

मुख्य शिक्षक के रूप में श्रीमती कृष्णा सोनी उपस्थित हुई और योग अभ्यास कराया। आयोजक मंडल में तहसीलदार इस शिविर का मुरैना के आम नागरिक को लाभ लेना चाहिए। कार्यक्रम में सिंह बैसला, राजेश शर्मा, चंद्रशेखर शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. गुरुकृपा प्रकाशन प्रेस ,टी.आई.टी कॉम्पलेक्स मुरैना से मुद्रित एवं हिन्दुस्तान एक्सप्रेस परिसर नवीन नगर निगम मुख्यालय के सामने सिटी सेंटर ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। R.N.I. No. MP HIN/2007/ 18763
सम्पादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे, प्रबंध संपादक विकास शिवहरे 9770080488, स्थानीय संपादक संजय त्रिपाठी सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा। फोनः 0751-2234001 मो. 94251-26060, 9425360435